

40 मिनट तक चली पीएम मोदी और रक्षा मंत्री की बैठक, एनएसए डोभाल भी थे मौजूद

को लेकर दिल्ली के रक्षा मंत्री के आवास पर हुई बैठक लगभग 40 मिनट तक चली थी। जम्मू-कश्मीर में सुरक्षादाह छिपे हुए आतंकियों को पकड़ने के लिए चप्पे-चप्पे की छानबीन कर रहे हैं और इसी क्रम में अबतक 10 आतंकियों के घरों को जमींदोज भी किया जा चुका है। वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान लगातार एनओसी पर सुरक्षा का उल्लंघन कर रहा है। हालांकि, भारतीय सेना की ओर से उसे इस तरह की गोलीबारी का कड़ा जवाब भी दिया जा रहा है।

अखबार के हवाले से यह दावा किया गया है। रिपोर्ट है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए बर्बर आतंकी हमले के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दर्जनों वर्ल्ड लीडर्स से बात की और कॉल का मकसद वैश्विक नेताओं को यह बताना था कि भारत पाकिस्तान के खिलाफ क्या एक्शन लेने जा रहा है। रिपोर्ट का दावा है कि पहलगाम हमले के बाद दिल्ली में 100 मिशनो के डिप्लोमेट्स को भी भारतीय विदेश मंत्रालय ने ब्रीफिंग के लिए बुलाया था। पहलगाम में 26 बेगुनाहों की हत्या के इस वाकिए ने पूरे भारत में आक्रोश का माहौल पैदा कर दिया है और सरकार को पाकिस्तान के खिलाफ कड़े एक्शन लेने पड़े हैं। रिपोर्ट के अनुसार पीएम मोदी ने वैश्विक नेताओं को इसलिए फोन नहीं किया कि वह भारत और पाकिस्तान के बीच खतरनाक भिड़ंत ▶ 10 पर

A soldier in camouflage gear is aiming a Javelin anti-tank missile launcher. The soldier is wearing a helmet and a face mask, and is holding the launcher with both hands. The launcher is green and black, and has a large black fin at the rear. The soldier is looking through the sight of the launcher. The background is a blurred image of a battlefield with smoke and debris.

एटी-4 एक एटी-आर्म वेपन है, जिसका इस्तेमाल दुश्मन के बंकर तथाब करने के लिए इस्तेमाल किया जाता है। सेनकों को सफलता करने के बाद साव कंपनी ने आधिकारिक बयान जारी कर कहा कि हमें भारतीय सशस्त्र बलों को अपने एटी-4 एंटी-आर्म हथियार प्रणाली की सफल डिलीवरी की घोषणा करते हुए गर्व है। कंपनी के मुताबिक, टैंडर प्रक्रिया के माध्यम से चुने जाने के बाद, एटी-4 भारतीय शस्त्रागार में शामिल हो गया है।

भारत ने अपना नौसेना को और मजबूत करने के लिए एक बड़ा कदम उठाया है। नई दिल्ली में सोमवार (28 अप्रैल 2025) को भारत और फ्रांस के बीच 63 हजार करोड़ रुपए की मेगा डील साइन हुई, जिसमें भारत को 26 राफेल मरीन फाइटर जेट्स मिलेंगे। ये विमान न सिर्फ समुद्र में भारत की ताकत बढ़ाएंगे बल्कि दुश्मन देशों जैसे पाकिस्तान और चीन के लिए भी एक सख्त संदेश होंगे। ये डील इसलिए भी खास है, क्योंकि ये फ्रांस के साथ भारत की अब तक की सबसे बड़ी हथियार डील है। राफेल मरीन विमानों को आईएनएस विक्रान्त जैसे विमानवाहक पोत पर तैनात किया जाएगा, जो भारत को समुद्र में एक नई ताकत देगा। आईएनएस डील को, राफेल मरीन की खासियतों को और इसके महत्व को आसान भाषा में समझते हैं। राफेल मरीन एक ऐसा फाइटर जेट है, जो समुद्र में भारत की ताकत को कई गुना बढ़ा देगा।

▶ **10 पर**

हाल फिलहाल मैं भारतीय सुर्क्षा एजेंसियों ने कुछ लॉन्च पैड की पहचान की थी, जिनमें से इन लॉन्च पैड से आतंकियों को शिफ्ट किया जा रहा है। सूत्रों ने बताया कि केल, सारडी, दुधनियाल, अथमुकम, जुरा, लीपा, पछिबन, फॉरवर्ड कहुटा, कोलटी, खुदस्ता, मंधार, निकेल, चमनकोल और जानकोटे में कुछ लॉन्च पैड हैं, जहां हमेशा आतंकी मौजूद होते हैं।

10

पाकिस्तान पर हुई 'डिजिटल स्ट्राइक'

is content is currently unavailable in this country because of an order from the government related to national security or public order. For e-satellite about government removed requests, please visit the Transparency Report (transparencyreport.google.com).

Go to Home

HEADLINES 10 A
جیو ہیڈ لائنز 25-04-2

**केंद्र सरकार ने 16 पाकिस्तानी
यूट्यूब चैनल पर लगाया बैन
भारत से कमाई कर चलाते थे पाक
फौज का प्रोपेगेंडा**

दिखाने पर रोक लगाई है। अब यह चैनल भारतीय दर्शक यूट्यूब पर एक्सेस नहीं कर सकेंगे। भारत ने डॉन न्यूज, जियो टीवी, एअरवाई न्यूज, समा टीवी, जीएनएन समेत 16 चैनल बंद कर दिए हैं। इनमें से कई न्यूज चैनल हैं और कई पत्रकारों के खुद के

इसके बावजूद यह चैनल लगातार पाकिस्तानी फौज का प्रोपेगेंडा चलाने हैं। इन पर फर्जी खबरें भी लगातार प्रसारित होती हैं। यह भारतीय सेना के खिलाफ भी झूठी खबरें प्रसारित करते हैं। हालिया पहलगाम हमले को भी इन चैनलों ने झूठा कारा देने का प्रयास किया था। कई मौकों पर इन चैनल के ऊपर भारतीय नेत-उओं को लेकर अभूत टिप्पणियाँ की जाती हैं। हालाँकि, अब यह भारत में यूट्यूब पर दिखेगी ही नहीं। ▶ **10** पर

मोदी सरकार ने बीबीसी को लगाई कड़ी फटकार

मिलिटेंट शब्द का एक मतलब 'मुजाहिद' भी होता है। मुजाहिद का अर्थ जिहाद के लिए लड़ने वाला होता है। इस तरह से वह एक तरह से आतंकियों को सही ठहरा रहा होता है। हिंदी की वेबसाइट पर भी बीबीसी

बीबीसी की करतूतें सिर्फ यहीं तक नहीं रुकती बल्कि वह कश्मीर को लेकर बाकी मामलों में भी प्रोपेगेंडा करता आया है। वह अपनी रिपोर्टिंग लगातार भारत को 'इंडियन एडमिनिस्ट्रेशन कश्मीर' या 'भारत प्रशासित कश्मीर' लिखता आया है। जबकि असल में बात यह है कि भारत प्रशासित कश्मीर जैसी कोई जगह नहीं है। जम्मू कश्मीर भारत का एक अभिन्न अंग है। बीबीसी पाकिस्तान द्वारा कब्जाए गए कश्मीर को पाकिस्तान 'एडमिनिस्टर्ड' या 'प्रशासित कश्मीर' लिखता है। बीबीसी यानि नहीं बताता कि झोघ पर पाकिस्तान का अनाधिकृत कब्जा है और यह इलाका कानूनी तौर पर भारत का है। वह कश्मीर हान नहीं बल्कि बाकी मुद्दों को लेकर भी फजूल नैरेटिव फैलाता है।

उसने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को लेकर डाक्यूमेंट्री भी बनाई थी। इसमें गुजरात दंगों का दोषी पीएम मोदी को बताने की कोशिश की गई थी जबकि हर **10** पर

जम्मू कश्मीर विधानसभा ने पहलगाम हमले की कड़ी निंदा की



पहलगाय हमले पर निंदा प्रस्ताव पारित करने के लिए आज बुलाए गए कश्मीर विधानसभा के विशेष सत्र में कार्यवाही शुरू होते ही स्पीकर ने पहलगाय आतंकी हमले को लेकर अपना पक्ष रखा। उन्होंने कहा कि इस सत्र में हम यह गैराम रटना चाहते हैं कि पूरी दुनिया आतंकवादों को खड़ा कर रहा है। पहलगाय हमले ने ईसाईयों को झेंडोड़ कर रख दिया। उन्होंने पहलगाय हमले की निंदा करते हुए कहा कि यह हमला उन चुनौतियों को याद दिलाता है जिन्का हम सब सामना कर रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि हम सरकार से अनुरोध

जम्मू कश्मीर विधानसभा ने एक स्वर में पहलगाम आतंकी हमले की निंदा की। विशेष सत्र के दौरान निंदा प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने कहा कि मुझे यकीन नहीं होता कि कुछ दिन पहले हम इस हास में थे। बजट और कई मुद्दों पर बहस हुई। अंतिम दिन हम चाय पी रहे थे और सोच रहे थे कि कश्मीर में अगला सत्र होगा। तब किसी ने नहीं सोचा था कि हमें यहां इस माहौल में मिलना पड़ेगा। उमर अब्दुल्ला ने कहा कि 'उपराज्यपाल का शुक्रिया अदा करना चाहता हूं जिन्होंने हमारी रिक्रेस्ट पर यह सत्र बुलाया। हमारे मंत्रिमंडल में जब इस हमले के बाद बैठक बुलाई इस समय तय हुआ कि हम उपराज्यपाल से गुजारािश करेंगे कि वह एक दिन का सेरेन बुलाए। यह सेरेन इसलिए बुलाया गया क्योंकि न संसद और न ही किसी और राज्य की असेंबली उन लोगों के दुख दर्द को उतना समझती है जितना यह जम्मू कश्मीर की असेंबली।

▶ **10 पर**

यूरोप के कई देशों
में हुई बत्ती गुल...

और बेल्जियम
में ब्लैकआउट

यूरोप के कई देशों में ब्लैकआउट हो गया है। फ्रांस, स्पेन, पुर्तगाल और बेल्जियम में बिजली सप्लाई ठप हो गई है। खबर ये भी है कि बिजली कटने से हवाई और मेट्रो सेवा पर असर पड़ा है। इससे जनता को काफी परेशानी हो रही है। बिजली क्यों कटी, फिलहाल इसकी वजह की जांच की जा रही है। लेकिन साथ ही ये माना जा रहा है कि यहाँ ये एक शानदार हमला भी हो सकता है। स्पेन के नेशनल ग्रिड ऑपरेटर 'रेड एलेक्ट्रिका' ने बयान जारी कर बताया कि पूरे देश में बिजली आपूर्ति बहाल करने के लिए सेक्टर कंपनियों के साथ मिलकर कई ठोस कदम उठाए जा रहे हैं। इसके अलावा पुर्तगाल के ग्रिड ऑपरेटर 'ई-रेडस' ने **10** पर

सुप्रीम कोर्ट ने तेलंगाना सिविल जजों के लिए अनिवार्य
तेलुगु भाषा के खिलाफ याचिका खारिज की

न्यायमूर्ति गर्वई ने याचिका पर विचार करने से इनकार करते हुए टिप्पणी की, बाहर नहीं रखा गया है। (नियम) केवल यह कहता है कि तेलुगु भी



आवश्यक है। क्षमा करें, इस पर विचार नहीं किया जा सकता। शीर्ष अदालत ने न्यायिक नियुक्तियों के इच्छुक उम्मीदवारों के लिए एलेगु प्रवीणता की आवश्यकता के तेलंगाना सरकार के निर्णय को बरकरार रखा। न्यायालय ने दोहराया कि नियम ने उर्दू बोलने वालों को बाहर नहीं रखा बल्कि केवल तेलुगु प्रवीणता की अतिरिक्त आवश्यकता लागू की। इससे पहले तेलंगाना उच्च न्यायालय ने हुसैन याचिका को खारिज कर दिया था। याचिका में कहा गया था कि तेलुगु ज्ञान को अनिवार्य करने का निर्णय राज्य द्वारा एक नीतिगत निर्णय था जिसमें इस बात को ध्यान में रखा गया था कि तेलुगु तेलंगाना में सबसे अधिक बोली जाने वाली भाषा है। तेलंगाना न्यायिक (सेवा और संवर्ग) नियम 2023, जो पिछले साल जून में ▶ 10 पर



आतंकवादी हमला मामला

राज्य सरकार को कम से कम एक करोड़ रुपए मुआवजा देना चाहिए था: तेजस्वी सूर्या

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु दक्षिण से सांसद और युवा मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष तेजस्वी सूर्या ने कहा कि अगर राज्य की कांग्रेस सरकार में जरा भी मानवता होती तो वह आतंकवादी हमले में मारे गए दो परिवारों को कम से कम एक करोड़ रुपए देती।

मल्लेश्वरम स्थित भाजपा के प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए उन्होंने कहा कि अगर वह रकम बैंक में एफडी के रूप में जमा होती तो उस पर मिलने वाले ब्याज से उनके परिवार का भरण-पोषण और शिक्षा होती। पड़ोसी राज्य में हाथी भगदड़ में मारे गए लोगों को इस राज्य के मुख्यमंत्री ने 15 लाख रुपए दिए थे। लेकिन हमारे राज्य में भीषण, वीभत्स आतंकवादी हमले में मारे गए दो परिवारों को इससे ज्यादा नहीं मिला।

उन्होंने दुख जताते हुए कहा कि यह सरकार इतना भी देने की हकदार नहीं है। मुस्लिम वोटों के



लिए खुद को बेच चुकी कांग्रेस पार्टी से हम इससे ज्यादा की उम्मीद नहीं कर सकते, इन परिवारों को ताकत देना हिंदू समाज की जिम्मेदारी है। हमने रविवार को बेंगलूरु साउथ में आतंकवादियों के कृत्यों की निंदा करते हुए मशाल जुलूस निकाला था।

लोगों ने करीब 20 लाख रुपये पहले ही दे दिए हैं। भाजपा ने घोषणा की है कि वह एक दो दिन

में भारत भूषण के घर 10 लाख और मंजूनाथ के घर 10 लाख रुपये देगी।

आर.वी. विश्वविद्यालय ने मेरे अनुरोध का जवाब दिया है और पल्लवी मंजूनाथ को एक पत्र लिखा है। यह सूचित किया गया है कि यह शैक्षणिक संस्थान उनके बेटे अभिजय की बी.कॉम और मास्टर डिग्री प्राप्त करने के लिए पूरी शिक्षा का खर्च उठाएगा। कनकपुरा रोड पर रहने वाले भारत

भूषण के 3 वर्षीय बच्चे का कक्षा 1 से कक्षा 12 तक सीबीएसई शिक्षा के तहत शिक्षा प्रदान करने की जिम्मेदारी भी ली गई है। अगले 11 वर्षों तक इन दोनों परिवारों की माँ और बच्चों के स्वास्थ्य का पूरा ध्यान बेंगलूरु के महावीर जैन अस्पताल द्वारा रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि उन्होंने इस संबंध में एक पत्र भी लिखा है। उन्होंने इन तीनों संस्थाओं को बधाई और धन्यवाद दिया। राज्य

भाजपा प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से की मुलाकात

विजयेन्द्र ने 18 विधायकों का निलंबन समाप्त करने की मांग की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने अपील की है कि स्पीकर को सत्ताधारी पार्टी की कठपुतली बनकर काम नहीं करना चाहिए। विजयेन्द्र और विपक्ष के नेता आर. अशोक के नेतृत्व में भाजपा विधायकों के एक प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को राज्यपाल से मुलाकात की। इस अवसर पर मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि 18 भाजपा विधायकों को 6 महीने के लिए निलंबित करने के मामले में असंवैधानिक कदम उठाया गया है और स्पीकर को इसका समर्थन नहीं करना चाहिए। उन्होंने मांग की कि स्पीकर को सत्ताधारी पार्टी को समझाकर अपने फैसले से पीछे हटना चाहिए।

उन्होंने बताया कि उन्होंने राज्यपाल से इस मामले में हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया है। उन्होंने राज्यपाल से सरकार को सलाह देने का अनुरोध किया। सदन के हालिया सत्र में भी 18 भाजपा विधायकों को निलंबित किया गया था। उन्होंने कहा कि विपक्षी नेताओं और विधायकों



द्वारा स्पीकर से मिलने के कई अनुरोधों के बावजूद विधायकों का निलंबन वापस नहीं लिया गया है। उन्होंने इस तथ्य की ओर ध्यान आकर्षित किया कि स्पीकर ने मंगलूरु में एक बयान दिया था, जिसमें कहा गया था कि 18 विधायकों का निलंबन उनका अकेला निर्णय नहीं था। पत्रकारों के एक सवाल का जवाब देते हुए, विजयेन्द्र ने कहा कि मुख्यमंत्री ने खुद बयान दिया है कि युद्ध नहीं होना चाहिए। अन्यथा, थिम्मापुर और संतोष लाड एक ही सुर में कैसे बोल सकते हैं। कांग्रेस पार्टी (एआईसीसी) के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि केंद्र सरकार और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी

जो भी फैसला लेंगे, वे उसका समर्थन करेंगे। वरिष्ठ कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भी कहा कि पाकिस्तान के खिलाफ निर्णायक कार्रवाई जरूरी है। उन्होंने मुख्यमंत्री और कैबिनेट सदस्यों से कहा कि वे कम से कम अब तो इसे समझ लें। उन्होंने मुख्यमंत्री और थिम्मापुर से मूर्खतापूर्ण बयान देना बंद करने और देश के साथ खड़े होने का अनुरोध किया। आर. अशोक ने कहा कि हमने राज्यपाल का ध्यान आकर्षित किया है कि विधायकों का निलंबन असंवैधानिक है। उन्होंने समझाया कि वे सरकार को पत्र लिखेंगे। उन्होंने कहा कि वे स्पीकर से बात करेंगे।

प्रतिबंध के बावजूद गोविंदराज नगर की सड़कों पर बड़े-बड़े कट-आउट और फ्लेक्स लगे



बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु में बैनर, कट-आउट और दीवार पेंटिंग पर प्रतिबंध के बावजूद, शहर भर में कई जगहों पर इनसे पटे पड़े हैं। गोविंदराज नगर में, स्थानीय कांग्रेस विधायक प्रिय कृष्ण को उनके जन्मदिन की शुभकामना देने वाले बड़े-बड़े कट-आउट और फ्लेक्स की निवासियों ने तीखी आलोचना की है।

विधायक की बड़ी-बड़ी आदमकद तस्वीरें सार्वजनिक दीवारों पर भी लगाई गई थीं,

जबकि इलाके की प्रमुख सड़कों पर फ्लेक्स और कट-आउट लगे हुए थे।

कई निवासियों ने इन प्रदर्शनों को आंखों में गड़ने वाली बात बताया और नागरिक नियमों के उल्लंघन पर सवाल उठाए। विजयनगर के निवासी अरुण कुमार ने कहा यह चौंकाने वाला है कि स्पष्ट प्रतिबंध होने के बावजूद सार्वजनिक स्थानों का इस तरह दुरुपयोग किया जा रहा है। इससे इलाके की सूरत पूरी तरह खराब हो गई है। एक अन्य

निवासी मीना आर. ने कहा इलाके को सुंदर बनाने के बजाय, हमारे निर्वाचित प्रतिनिधि निजी प्रचार के लिए इसे खराब कर रहे हैं। इस बीच, बृहत बेंगलूरु महानगर पालिका (बीबीएमपी) ने कहा कि अधिकारियों को शहर भर में सभी अवैध बैनर और फ्लेक्स हटाने का निर्देश दिया गया है। गोविंदराज नगर के मामले में, हमने इन अनधिकृत बैनर लगाने वालों के खिलाफ कई एफआईआर दर्ज की हैं।

रेलवे परीक्षा के दौरान पवित्र धागा, मंगलसूत्र नहीं हटाया जाएगा: केंद्रीय मंत्री सोमन्ना

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

केंद्रीय रेल और जल शक्ति राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने रेलवे अधिकारियों को भारतीय रेलवे नर्सिंग अधीक्षक भर्ती परीक्षा में शामिल होने वाले उम्मीदवारों से पवित्र धागे (जनिवारा) और मंगलसूत्र न हटाने का निर्देश दिया है।

यह हस्तक्षेप रेलवे विभाग के एक परिपत्र पर विवाद के बाद आया है, जिसका उल्लेख एडमिट कार्ड में किया गया है, जिसमें परीक्षा केंद्रों के अंदर पवित्र धागे और मंगलसूत्र जैसे धार्मिक प्रतीकों पर प्रतिबंध लगाया गया है। इस कदम से हिंदू संगठनों में आक्रोश फैल गया था। इस मुद्दे को उजागर करते हुए, मंगलूरु के सांसद कैप्टन बृजेश चौठा ने रेलवे विभाग के समक्ष चिंता जताई और इस पर सीधे केंद्रीय मंत्री सोमन्ना से चर्चा की। सोमवार को, कैप्टन बृजेश चौठा ने सोशल मीडिया



प्लेटफॉर्म एक्स पर घोषणा की कि यह बताते हुए खुशी हो रही है कि जब हमने मामला उनके ध्यान में लाया, तो केंद्रीय राज्य मंत्री वी सोमन्ना ने हस्तक्षेप किया है और अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे उम्मीदवारों से मंगलसूत्र और जनिवारा जैसे धार्मिक प्रतीकों को हटाने की मांग न करें। उपमुख्यमंत्री डी के शिवकुमार ने भी मूल निर्देश की आलोचना करते हुए तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की। बेंगलूरु में अपने आवास के

बाहर पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा भाजपा एक बात कहती है और दूसरी करती है। परीक्षा के दौरान धार्मिक प्रतीकों को हटाने के लिए मजबूर करना गलत है।

इस आदेश को वापस लिया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि अधिकारी कदाचार को रोकने के लिए उम्मीदवारों का निरीक्षण कर सकते हैं, लेकिन झुमके, नाक की अंगुठी, पवित्र धागे और सिंदूर के निशान जैसी

पवित्र वस्तुओं को जबरन हटाना स्वीकार्य नहीं है। उन्होंने छोटे इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के दुरुपयोग के बारे में चिंताओं को स्वीकार किया, लेकिन इस बात पर जोर दिया कि धार्मिक भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। रेलवे की प्रतिबंधित वस्तुओं की मूल सूची में मोबाइल फोन, कैलकुलेटर, स्वास्थ्य बैंड और ब्लूटूथ डिवाइस जैसे गैजेट शामिल थे। साथ ही बेल्ट, कंगन, हैंडबैग जैसे व्यक्तिगत सामान और मंगलसूत्र और पवित्र धागे जैसी धार्मिक वस्तुएं भी शामिल थीं। यह विवाद कर्नाटक सीईटी परीक्षा के दौरान इसी तरह की घटनाओं के बाद सामने आया है, जहां छात्रों को परीक्षा हॉल में प्रवेश करने से पहले पवित्र धागे उतारने के लिए कहा गया था। शिवमोग्गा, बीदर और धारवाड़ से मामले सामने आए। बीदर में, एक छात्र ने पवित्र धागा उतारने से

इनकार कर दिया, जिसे परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी गई। जनता के आक्रोश के बाद कर्नाटक सरकार ने माफ़ी मांगी और जिम्मेदार प्रिंसिपल और स्टाफ को निलंबित कर दिया। साथ ही पीड़ित छात्र को न्याय दिलाने का वादा भी किया। इस बीच, अखिल कर्नाटक ब्राह्मण महासंघ ने कर्नाटक उच्च न्यायालय में सीईटी की घटनाओं की निंदा करते हुए एक जनहित याचिका दायर की है, जबकि भाजपा ने हिंदू छात्रों के साथ भेदभाव का आरोप लगाते हुए राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग का दरवाजा खटखटाया है। विपक्ष के नेता आर अशोक ने बताया कि हिंदू छात्रों को पवित्र धागा पहनने से रोक दिया गया था, जबकि हिजाब पहनने वाली मुस्लिम छात्राओं को परीक्षा में बैठने की अनुमति दी गई थी, जिससे विवाद और बढ़ गया।

पहलगाम हमले से पहले आतंकवादियों ने धर्म के बारे में नहीं पूछा होगा: मंत्री आर बी तिम्मापुर

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

आबकारी मंत्री आर बी तिम्मापुर ने यह कहकर बड़ा विवाद खड़ा कर दिया है कि जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हाल ही में हुए हमले के लिए जिम्मेदार आतंकवादियों ने पीड़ितों को गोली मारने से पहले उनके धर्म के बारे में नहीं पूछा होगा। यहां रविवार शाम को पत्रकारों से बात करते हुए तिम्मापुर ने उन दावों को खारिज कर दिया कि पहलगाम में आतंकवादियों ने पीड़ितों को उनके धर्म के आधार पर निशाना बनाया। मंत्री ने कहा मुझे नहीं लगता कि आतंकवादियों ने हत्या करने से पहले पीड़ितों से उनका धर्म पूछा होगा।

उन्होंने जोर देकर कहा कि आतंकवादी हमले के दौरान ऐसा दृष्टिकोण अव्यावहारिक है। इसके बारे में तार्किक रूप से सोचें। गोली चलाने वाला आतंकवादी धर्म या जाति के बारे में नहीं पूछता है। वह हत्या करने के लिए होता है, पीड़ित की पृष्ठभूमि के बारे में पूछताछ करने के लिए



नहीं। मंत्री की टिप्पणियों ने तीखी प्रतिक्रियाएं पैदा की हैं, जिसमें कई लोगों ने संवेदनशील मुद्दे पर उनके रुख पर सवाल उठाए हैं। तिम्मापुर ने आगे तर्क दिया कि जबकि पूरा देश हमले की क्रूरता से स्तब्ध है, इस घटना को सांप्रदायिक रंग देने की साजिश प्रतीत होती है। तिम्मापुर ने यह भी कहा कि भले ही यह सच हो कि आतंकवादियों ने धर्म के बारे में पूछा था, लेकिन इसे राजनीतिक बहस को हवा देने या सांप्रदायिक मुद्दे में बदलने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। उन्होंने जोर देकर कहा हमें इस मामले का राजनीतिकरण नहीं करना चाहिए और इसे धार्मिक

बहस में नहीं बदलना चाहिए। हालांकि, उनकी टिप्पणी मुख्यमंत्री सिद्धरामैया को लेकर व्यापक राजनीतिक विवाद के बीच आई, जिन्होंने पहले राष्ट्रीय सुरक्षा को संभालने में खुफिया विफलता के बारे में बयान दिया था। सिद्धरामैया को यह टिप्पणी करने के बाद भी आलोचना का सामना करना पड़ा कि युद्ध केवल तभी छेड़ा जाना चाहिए जब बिल्कुल आवश्यक हो। मुख्यमंत्री ने आगे सुझाव दिया कि भारत को पाकिस्तान के साथ व्यवहार करते समय सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पड़ोसी देश को दिवालिया, बीमार राष्ट्र बताया जिसके पास खोने के लिए बहुत

कुछ नहीं बचा है। उन्होंने तर्क दिया कि एक उभरती हुई वैश्विक शक्ति के रूप में, भारत को पाकिस्तान के प्रति अपने दृष्टिकोण में सावधानी से आगे बढ़ना चाहिए।

सिद्धरामैया की टिप्पणियों ने तुरंत हलचल मचा दी और कर्नाटक भाजपा ने उन पर पाकिस्तान के प्रति बहुत नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया। कर्नाटक विधानसभा में विपक्ष के नेता आर अशोक ने मुख्यमंत्री की टिप्पणियों की आलोचना की और उन पर दुरमन राष्ट्र की कठपुतली की तरह व्यवहार करने का आरोप लगाया।

अशोक ने सोशल मीडिया पर एक पाकिस्तानी समाचार चैनल द्वारा सिद्धरामैया के बयान को प्रसारित करने का वीडियो साझा किया, और एक पोस्ट में उन्होंने मुख्यमंत्री को पाकिस्तान रत्न कहा। उन्होंने कहा मुख्यमंत्री सिद्धरामैया, आप अपने बचकाने और बेतुके बयानों के कारण रातोंरात पाकिस्तान में विश्व प्रसिद्ध हो गए हैं।

कर्नाटक से अल्पकालीन वीजा वाले चार पाकिस्तानी नागरिक वापस भेजे गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए हमले के बाद केंद्र सरकार ने सभी राज्यों को सख्त निर्देश जारी किए हैं कि भारत में मौजूद पाकिस्तानी नागरिक देश छोड़कर चले जाएं। कई और जिलों में पाकिस्तानी नागरिक हैं और उन्हें जल्द ही वापस भेजा जाएगा। पता चला है कि अल्पकालीन वीजा वाले चार पाकिस्तानी नागरिकों को राज्य से वापस भेजा गया है।

केंद्र सरकार ने दीर्घकालीन वीजा वालों को वापस भेजने के निर्देश जारी नहीं किए हैं। इसलिए, दीर्घकालीन वीजा वाले 91 पाकिस्तानी नागरिक अभी राज्य में हैं। जिला प्रशासन और पुलिस विभाग की कार्रवाई के दौरान पता चला कि 91 पाकिस्तानी नागरिक विभिन्न जिलों में रह रहे हैं। कुछ पाकिस्तानी नागरिक मेडिकल वीजा पर कर्नाटक में हैं और उन्हें केवल 29 अप्रैल तक भारत में रहने से छूट दी गई है। इसके बाद उन्हें वापस भेजने की योजना है। चूंकि केंद्र ने दीर्घकालिक वीजा वाले लोगों को वापस भेजने की अधिसूचना जारी नहीं की है, इसलिए 91 पाकिस्तानी नागरिक अभी भी कर्नाटक में हैं। ये पाकिस्तानी नागरिक मेडिकल वीजा के तहत राज्य में हैं। केंद्र ने



उन्हें 29 अप्रैल तक ही देश में रहने की छूट दी है और उन्हें तय समय सीमा के भीतर नियमों के अनुसार बाहर भेजा जाएगा। उत्तर कन्नड़ जिले में बड़ी संख्या में पाकिस्तानी नागरिक हैं। इनमें से ज्यादातर भटकल और कारवार में पाए गए हैं। पाकिस्तानी नागरिक बेंगलूरु, कलबुर्गी, मंगलूरु और मैसूरु में भी रह रहे हैं। सरकार ने कहा है कि केंद्र सरकार के निर्देशानुसार कर्नाटक में पाकिस्तानी नागरिकों के बारे में जानकारी एकत्र की जाएगी और उन्हें वापस भेजने की कार्रवाई की जाएगी। राज्य में सबसे ज्यादा पाकिस्तानी नागरिक उत्तर कन्नड़ जिले में हैं, जिनमें से 14 भटकल में और एक कारवार में हैं, यानी कुल 15 हैं। इनमें से 12 महिलाएं और तीन बच्चे हैं। भटकल के नवायत समुदाय में पाकिस्तानियों से शादी करने की परंपरा है। केंद्र सरकार शादी के बाद पाकिस्तानियों को

लंबी अवधि का वीजा जारी कर रही है। इसके अलावा, पाकिस्तानी नागरिक बेंगलूरु, कलबुर्गी, मंगलूरु, मैसूरु समेत राज्य के कई हिस्सों में बसे हुए हैं। दावणगेरे से एक पाकिस्तानी छात्र शैक्षणिक वीजा पर भारत आया है। वह दावणगेरे जिले के एक मेडिकल कॉलेज में एमबीबीएस के अंतिम वर्ष की पढ़ाई कर रहा है। उसकी पीआईएसए अवधि अभी समाप्त नहीं हुई है।

पिछले मार्च में आयोजित सत्र में गृह मंत्री परमेश्वर ने कहा था कि राज्य में अवैध रूप से रह रहे 25 पाकिस्तानी नागरिकों को आधिकारिक तौर पर गिरफ्तार कर लिया गया है और कानूनी कार्रवाई की गई है। पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पाकिस्तान पर तंज कसने वाले भारत ने सभी राज्यों में पाकिस्तानी नागरिकों को बंधक बनाने का सख्त निर्देश दिया है। एक सूत्र के मुताबिक, देश में पहले से रह रहे एक हजार से ज्यादा पाकिस्तानी नागरिक स्वदेश लौट चुके हैं। वीजा अवधि समाप्त होने के बावजूद अवैध रूप से यहां रह रहे पाकिस्तानी नागरिकों की तलाश और उन्हें निर्वासित करने की प्रक्रिया देश के विभिन्न भागों में पहले ही शुरू हो चुकी है। इन राज्यों में कर्नाटक, महाराष्ट्र, आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, दिल्ली, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश और पंजाब शामिल हैं।

राणा को भारत-अमेरिका प्रत्यर्पण संधि के तहत अदालत की अनुमति से इसी माह विशेष विमान से नयी दिल्ली लाया गया था। एनआईए ने नयी दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरते ही उसे 10 अप्रैल को हिरासत में ले लिया था। उसी शाम उसे दिल्ली की विशेष अदालत में पेश कर जांच एजेंसी ने उससे पूछताछ के लिए 18 दिन की रिमांड पर ले लिया था। रिमांड की अवधि पूरी होने पर आज उसे अदालत में पेश किया गया था।

मंगलवार, 29 अप्रैल, 2025

बेंगलूरू

सम्पादकीय

7

संपादकीय

कश्मीरियत हेतु चुनौती

इसमें दो राय नहीं कि सीमा पार पाक के सत्ता प्रतिष्ठानों की शह पर कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे हैं। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फिर्क है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां दूसरे से सामान्य हों।

कट्टरपंथी ताकतों की साजिश के चलते पहलगाम में पर्यटकों पर हुआ हमला बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है, जो आतंकियों की हताशा को ही दर्शाता है। लेकिन पहलगाम का आतंकी हमला कश्मीरियों पर दोहरी मार है। इस हमले का कश्मीर के पर्यटन उद्योग पर घातक प्रभाव नजर आ रहा है। जिस तेजी से पर्यटक कश्मीर छोड़ रहे हैं और बाकी लोग अपनी अग्रिम बुकिंग रद्द करा रहे हैं, वह कश्मीरियों के लिये अप्रत्याशित है। शायद स्थितियां सामान्य होने में वर्षों लग जाएंगे। घाटी में रहने वाले लोग पर्यटकों की संख्या में अभूतपूर्व कमी के कारण भारी नुकसान की आशंका जता रहे है। दरअसल, लंबे अंतराल के बाद कश्मीर के पर्यटन उद्योग के पटरी पर लौटने के बाद स्थानीय लोगों ने ऋण लेकर अपने कारोबार नये सिरे से खड़े किए थे। अब उन लोगों के सामने न केवल जीविका का संकट है बल्कि फ़िर्क है कि वे लिए गये कर्ज कैसे चुकाएंगे। उनकी आकांक्षा है कि घाटी में स्थितियां जल्दी से सामान्य हों। वहीं इस संकट का दूसरा पहलू अन्य राज्यों में रह रहे कश्मीरी छात्रों और व्यापारियों की सुरक्षा को लेकर है। निस्संदेह, पहलगाम की घटना ने पूरे देश को दुःखी किया है। जैसे-जैसे आतंकियों के निर्मम हमले से जुड़ी कहानियां निकल रही हैं, समाज में तलख प्रतिक्रिया नजर आ रही है। कश्मीरी लोग आशंकित हैं कहीं इस आक्रोश से उभने गये का शिकार कश्मीर मूल के लोगों को न होना पड़े। निश्चित रूप से किसी भी सभ्य समाज में ऐसी कोई प्रतिक्रिया नहीं होनी चाहिए कि आतंकवादियों के कुकृत्यों का खमियाजा निर्दोष लोगों को भुगतना पड़े। यही वजह है कि जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला, पीडीपी अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती और पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के प्रमुख सज्जाद लोन जैसे प्रमुख राजनेताओं ने कश्मीरियों की सुरक्षा को लेकर चिंता जतायी है। ऐसे में केंद्र व राज्य सरकारों से उम्मीद की जा रही है कि वे विभाजनकारी तत्वों पर नकेल डालेंगे। निस्संदेह, इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए कि पहलगाम की दुर्भाग्यपूर्ण घटना के बाद पहली बार घाटी में आतंकवाद के खिलाफ मुखर प्रतिक्रिया सामने आई है। कश्मीर में सक्रिय रहने वाले राजनीतिक दलों, व्यापार निकायों और सामाजिक-धार्मिक संगठनों के प्रतिनिधियों के साथ ही आम लोगों ने भी पहलगाम हमले के दौरान हुई पर्यटकों की हत्या की निंदा की है। उन्होंने सीमा पार से आतंकवाद के पाठशाला चलाने वाले लोगों को सख्त संदेश दिया कि हमारे मामलों में तुम्हें फ़िर्क करने की जरूरत नहीं है। कश्मीर के लोगों ने साफ संदेश भेजा है कि –‘हमारे नाम पर नहीं।’ कश्मीरियों ने बताया कि उन्हें उन आतंकवादियों से किसी भी तरह की सहानुभूति नहीं है, जो मानवता के खिलाफ अपने अपराधों से कश्मीर के साथ-साथ इस्लाम को भी बदनाम कर रहे हैं। निस्संदेह, पहलगाम के क्रूर हमले के बाद पूरे देश में गुस्सा चरम पर है। ऐसे में राजनीतिक दलों और धार्मिक संगठनों को इस आक्रोश को बढ़ाने के बजाय इस शान्ति करने का प्रयास करना चाहिए। देश के संघीय स्वरूप व सद्भावना की हर कीमत पर रक्षा की ही जानी चाहिए। पहलगाम की घटना के बाद तलखी दिखा रहे लोगों को याद रखना चाहिए कि यह कश्मीरी टट्टुवाला सैयद आदिल हुसैन शाह ही था, जिसने बंदूकधारी आतंकवादियों से पर्यटकों को बचाने की कोशिश करने हेतु अपनी जान कुर्बान कर दी थी। एक बहादुर व्यक्ति की गोली मारकर हत्या कर दी गई, जब वह हमलावर आतंकी से हथियार छीनने की कोशिश कर रहा था। कश्मीरियों के बारे में गलत धारणाओं को दूर करने के लिये उनके निःस्वार्थ साहस और वीरता को व्यापक रूप से स्वीकार किया जाना चाहिए।

कुछ

अलग

बिजली को झटका

जिस राज्य में उपभोक्ताओं को मुफ्त बिजली दी जा रही हो, वहां बिजली चोरी का चिंताजनक स्थिति तक पहुंच जाना, निश्चित ही गंभीर मसला है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड को यदि वर्ष 2024-25 में दो हजार करोड़ रुपये से अधिक का नुकसान हुआ है तो उसकी बड़ी वजह पंजाब में बिजली चोरी का बेहद गंभीर स्थिति को पार कर जाना है। ये नुकसान प्रतिदिन के हिसाब से 5.5 करोड़ रुपये बैठता है। इससे भी अधिक चौंकारने वाली बात तो यह है कि यह नुकसान सिस्टम की विफलता या प्राकृतिक आपदाओं के कारण नहीं हुआ है बल्कि जानबूझ कर सुनियोजित तरीके से की जा रही बिजली चोरी की वजह से हुआ है। राज्य में घाटे में चल रहे लगभग 77 फीसदी फीडर सीमावर्ती और पश्चिमी क्षेत्रों में स्थापित हैं, जिनमें पट्टी, पिछोविल्ड, अजनाला और जीरा जैसे डिवीजन शामिल हैं, जिनमें से कई संगठित बिजली चोरी के लिए कुख्यात हैं। भूमिगत कुंडी कनेक्शन से लेकर मीटर से छेड़छाड़ और पिलर बॉक्स को निर्यक्र करके चोरी करना एक आम तरीका बन गया है। आरोप है कि ये चोरी आमतौर पर राजनीतिक व धार्मिक संस्थाओं के संरक्षण में होती है। दरअसल, इस विडंबना को नजरअंदाज करना मुश्किल है कि जबकि लोगों को पहले ही छह सौ यूनिट तक सब्सिडी वाली यानी कि मुफ्त बिजली का लाभ उठाने का मौका मिल रहा है, लेकिन इसके बावजूद बिजली चोरी की प्रवृत्ति कम नहीं हो रही है। दरअसल, पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड का संकेत यहीं खत्म नहीं हो जाता। पीएसपीसीएल कुप्रबंधन व व्यवस्थापन संकटों से भी गंभीर रूप से जुड़ा रहा है। पंजाब राज्य विद्युत निगम लिमिटेड कर्मचारियों की भारी कमी की चुनौतियों से जूझ रहा है। बिजली विभाग में 4900 से अधिक लाइनमैनों के पद स्वीकृत हैं, लेकिन फिलहाल केवल 1313 लाइनमैन

काम कर रहे हैं। अकेले लुधियाना में ही जूनियर इंजीनियर के आधे पद खाली हैं। बिजली चोरी रोकने तथा बेहतर व्यवस्था के लिये कर्मचारी भर्ती अभियान को गति दी जानी चाहिए। दरअसल, पीएसपीसीएल में पर्याप्त कर्मचारियों को कड़ा सख्त देना कार्यक्षमता बुरी तरह से प्रभावित है। जब भी किसी इलाके में विद्युत आपूर्ति व्यवस्था में किसी तरह का व्यवधान उत्पन्न होता है तो तत्काल कार्रवाई बिजली बहाल करने के लिये नहीं हो पाती। फलतः लंबे समय तक बिजली गुल रहने से लोगों की नाराजगी लगातार बढ़ती है। विभाग में पक्के नौकराजिमां की नियुक्ति न होने पर कम वेतन पाने वाले सिविद कर्मचारियों के जरिये व्यवस्था बनाने की कोशिश होती है। जिसके चलते सिविदा कर्मचारियों द्वारा अकसर आंदोलन किया जाता है। वे खुद को पक्का करने की मांग करते रहते हैं। उनका आरोप होता है कि कम वेतन देकर उनसे ज्यादा काम कराया जाता है। जानकार मानते हैं कि सिर्फ सिविदा कर्मचारियों पर अत्याधिक निर्भरता केवल तदर्थवाद को ही बढ़ाएगी। हालांकि, नियामक आयोग ने इस गड़बड़ी को भी चिन्हित किया है। लेकिन इससे ही समस्या का समाधान संभव नहीं है, संकट को निराकरण को गंभीर प्रयासों की जरूरत महसूस की जा रही है। इस समस्या का व्यापक स्तर पर समाधान तभी संभव है जब राज्य के नेतृत्व द्वारा इच्छा-शक्ति को दृष्टिया जाएंग। समाज की मांग है कि भारी घाटे वाले फीडरों में वित्तीय प्रबंधन के लिये लक्षित कार्रवाई की जाए। साथ ही लोगों को ईमानदारी से बिजली के उपयोग के लिये प्रोत्साहित किया जाए। उम्मीद की जानी चाहिए कि छेड़छाड़ न किये जा सकने वाले स्मार्ट मीटर लगाने से बिजली चोरी की घटनाओं पर अंकुश लग सकेगा। इस दिशा में उठाए गए कदम समस्या को बहावक निस्तारण करने वाले होने चाहिए।

जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा

ललित गर्ग

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट कमेटी ऑन सिक्थीरटी (सीसीएस) की बैठक के बाद भारत ने पाकिस्तान के खिलाफ पांच बड़े और कड़े फैसले लेते हुए पाकिस्तान पर शिर्कजा कसा है, जिससे वह डरा है, सहमा है, घबराया है। इन पंच शिर्कजों में 1960 की सिंधु जल संधि को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया गया है, राजनयिक मिशन की संख्या घटाई जाएगी, पाकिस्तानी सैन्य राजनयिकों को एक हफ्ते में भारत छोड़ना होगा, पाकिस्तानियों के लिए सार्क वीजा रद्द कर दिया गया है और अटारी बॉर्डर को भी तत्काल प्रभाव से बंद कर दिया गया है। ये कदम जहां आतंकवाद के खिलाफ भारत की कड़ी नीति को दर्शाते हैं वहीं पाकिस्तान को उसकी औकात दिखाने का एक डिप्लोमैटिक स्ट्राइक है, जबकि भीतर-ही-भीतर किसी बड़ी कार्रवाई से इंकार नहीं किया जा सकता। सीमा पार आतंकवाद को लेकर पाकिस्तान पर दबाव बनाने और भारत की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में मोदी सरकार से अभी अधिक सख्त कार्रवाई की अपेक्षा है और आशा की जा रही है कि सरकार जनता की अपेक्षाओं से भी दो कदम आगे इस बार बदला लेगी। इस बार की तांडवी टंकार एवं हुंकार पाकिस्तान की न केवल कमर तोड़ देगी, बल्कि उसके नापाक मनसूबों को हमेशा के लिये नेस्तनाबूद कर देगी। पाकिस्तान ने अब तक भारत की शांति एवं सहयोग भावना को देखा है लेकिन अब हिंसा के लिये हिंसा की खनकार देखेगा। निर्दोषों की हत्या करन वालों, विश्वासघात का मार्ग अपनाने वालों एवं निहत्थों पर कहर बरपाने वालों को अब पता लगेगा कि धर्म एवं शांतिवादियों की ताकत क्या होती है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने निर्दोष पर्यटकों पर किये गये इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण दंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनिर के भारत विरोधी बयान के बाद हुआ। यह हमला पाकिस्तान की अब तक की सबसे बड़ी भूल एवं अमानवीयता एवं पाशविकता का ध्वनीना कृत्य बना है। मुनिर ने



जब संख्याएं गूंज उठती हैं और समीकरण आत्मा के साथ नृत्य करते हैं, तब एक नाम सृष्टि के कण-कण में बस जाता है—श्रीनिवास रामानुजन। 26 अप्रैल, 1920, वह काला दिन जब भारत की धरती ने अपने इस अनमोल रत्न को खो दिया, पर उनकी गणितीय चेतना ने अनंत काल के लिए विश्व को रोशन कर दिया। यह पुण्यतिथि नहीं, एक महान तपस्वी की साधना का उत्सव है, जिसने गणित को न केवल विज्ञान, बल्कि काव्य, दर्शन और ईश्वर से जोड़ दिया। रामानुजन कोई साधारण गणितज्ञ नहीं थे; वे थे संख्याओं के संत, सूत्रों के साधक, और ब्रह्मांड के रहस्यों के द्रष्टा। तमिलनाडु के छोटे से शहर इरोड में 22 दिसंबर, 1887 को जन्मे रामानुजन का जीवन किसी परीकथा से कम नहीं। एक

सम्पादकीय



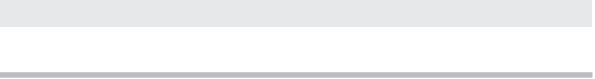
जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था

पाक को सबक सिखाना एवं आतंकवाद को उखाड़ना होगा



कश्मीर को अपने देश की ‘गले की नस’ बताया लेकिन यही नस अब पाकिस्तान का सर्वनाश करेगी, उसको कड़वे घुंटे पीने को विवश करेगी। दाने-दाने को तरसता पाकिस्तान अब त्राहि-त्राहि करते हुए तबाही के कगार पर पहुंचेगा। एक ओर जहां बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नौद उड़ा रखी है, अब भारत उसकी नौद ही नहीं, सुख-चैन भी छीन लेगा। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस की भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली मोदी सरकार को चुनौती दे दी है, सीधे-सीधे ललकारा है। मोदी सरकार को सस्ते में लेने की भूल के परिणाम पाकिस्तान पहले भी भुगत चुका है, उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह पहलगाम हत्याकांड में बहा निर्दोषों का रक्त व्यर्थ नहीं जायेगा। जिस तरह श्रीकृष्ण को आसुरी शक्तियों के खिलाफ महाभारत रचना पड़ा, उसी तरह मोदी पाकिस्तान के आतंकवाद के खिलाफ कोई बड़े युद्ध की संरचना करके हमेशा के लिये आतंकवाद का सर्वनाश करे। पहलगाम हत्याकांड के बाद न केवल समूचे देश में बल्कि कश्मीर घाटी में पहली बार गहरा आक्रोश देखने को मिला है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंध का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए और कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है। यह घटना कश्मीरियों की रोजी-रोटी पर कुठाराघात है। यह कश्मीर की शांति को लीलने की कुचेष्टा है। लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े आतंकी संगठन के इस हमले का मकसद पर्यटकों में खौफ पैदा करना और घाटी में सामान्य स्थिति की वापसी को रोकना था। यहां उल्लेखनीय है कि बीते

साल जम्मू-कश्मीर में पैंतीस लाख से अधिक पर्यटक पहुंचे थे। लेकिन पहलगाम जैसी जगह में जहां सत्तर फीसदी लोगों की आजीविका पर्यटन से जुड़ी है, वहां स्थिति सामान्य होने में अब लंबा वक्त लगेगा। आने वाले दिनों के लिये पर्यटकों ने अपनी यात्राएं रद्द कर दी हैं। जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद जम्मू-कश्मीर में काफी बदलाव आया था। आतंकवाद लगातार सिमत रहा था, शांति का उजाला हो रहा था। वादियों की रौनक बढ़ी और बाजार गुलजार हो उठे थे। श्रीनगर के लालचौक पर मिलजुल कर त्यौहार मनाए जाने लगे थे। बागों में ट्यूलिप के फूल खिल उठे थे। बर्फ की वादियों में मंद-मंद शीतल हवाओं से चिनार के पेड़ झूमने लगे थे। जो देश एवं दुनिया के असंख्य पर्यटकों को खींच रहे थे। उम्मीदें बंध गई थीं कि एक न एक दिन आतंकवाद मुक्त जम्मू-कश्मीर नई सुबह देखेगा लेकिन बढ़ते पर्यटक और मजबूत होती अव्यवस्था पाक को रास नहीं आई। पहलगाम के भयावह हमले ने एक बार फिर सबको खौफजदा कर दिया। जम्मू-कश्मीर में शांति, सौहार्द और विकास पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को नागवार गुजर रहा था। इसलिए पाकिस्तान की सेना, सेना प्रमुख तौफ़िर मुनीर, इसकी खुफिया एजेंसी आईएसआई और आतंकवादी संगठनों ने मिलकर ऐसी साजिश रच डाली, जिसने उनके धर्म को धुंधलाने एवं शर्मसार करने के साथ पाकिस्तानी इरादों की भी बेनकाब कर दिया। पाकिस्तान को जवाब देने की तैयारी व्यापक स्तर पर हो रही है, लेकिन प्रश्न यह है कि क्या भारत ऐसी कोई बड़ी कार्रवाई कर सकेगा, जिससे वह सही रास्ते पर आ जाए? पहलगाम का आतंकी हमला भारत की चेतना और उसकी अस्मिता पर किया गया धोखा है। इस हमले के द्वारा भारत को ललकारा गया है। अब पाकिस्तान को उसी की भाषा में सबक सिखाने के लिए सभी विकल्पों पर विचार होना ही चाहिए। यदि युद्ध अपेक्षित हो तो उसे भी अंजाम देना चाहिए। उसकी परमाणु हमले की धमकियों से आखिर कब तक डरा जायेगा? इसी के साथ इस पर भी मंथन हो कि आखिर पहलगाम में आतंकी इतनी आसानी से इतने लोगों को मारने में सफल कैसे हो गए? सीमा पार से आतंकियों की घुसपैठ एवं सफ़्रिता जारी थी। ऐसे में भारत सरकार, सुरक्षा बलों और खुफिया एजेंसियों को और सतर्क रहना चाहिए।



गणित के अनंत दीप की अमर धरोहर

खेल नहीं था; वह एक आध्यात्मिक यात्रा थी। उनकी कुलदेवी नमगिरी उनके लिए प्रेरणा की स्रोत थीं। वे कहते थे, ‘हर सूत्र जो मेरे मन में आता है, वह देवी की कृपा है।’ उनके लिए गणित और ईश्वर एक ही सत्य के दो रूप थे। उनकी रचनाएं— चाहे वह अनंत श्रृंखलाएं हों, निरंतर भिन्न हों, या विभाजन फलन— मानो ब्रह्मांड की गूढ़ भाषा में लिखी गई कविताएं थीं। उनकी पाई (π) की गणना के लिए दी गई श्रृंखलाएं इतनी सुंदर और सटीक थीं कि आज भी सुपरकंप्यूटर उनकी मदद लेते हैं। रामानुजन का विभाजन फलन, जो यह बताता है कि किसी संख्या को कितने तरीकों से छोटी संख्याओं के योग के रूप में लिखा जा सकता है, गणित में क्रांति ला गया। उनके थीटा फलन और माइंड्रूलर समीकरणों ने आधुनिक भौतिकी,

क्रिोटोग्राफी, और ब्लैक होल सिद्धांत तक में अपनी जगह बनाई। रामानुजन की प्रतिभा तब विश्व के सामने आई, जब उन्होंने 1913 में कैम्ब्रिज के प्रख्यात गणितज्ञ जी.एच. हार्डी को पत्र लिखा। उस पत्र में दर्जनों सूत्र थे, जिन्हें देख हार्डी स्तब्ध रह गए। पहले तो उन्हें विश्वास ही नहीं हुआ कि कोई स्वशिक्षित भारतीय इतने गहन और मौलिक सूत्र लिख सकता है। उन्होंने कहा, ‘रामानुजन का गणित मानव मस्तिष्क से परे है; यह ईश्वर की प्रेरणा है।’ रामानुजन को कैम्ब्रिज बुलाया गया, और वहां हार्डी के साथ लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण दंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनिर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की ‘गले की नस’ बताकर 22 अप्रैल के हमलों की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जब अलू बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नौद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस के भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत होगी कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमलों की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है।

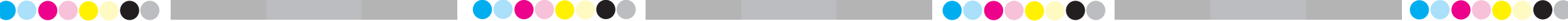
पाकिस्तान को कड़ा सबक देना जरूरी है

के माध्यम से किया गया है। यह समझौता भारत और पाकिस्तान के बीच कई युद्ध होने के बाद भी बना हुआ था। मगर जब पानी सिर के ऊपर से बहने लगा है, तो भारत ने कदम उठाया है। यही कारण है कि देश के इस कदम को कई एक्सपर्ट पहले बातर युद्ध की शुरुआत बता रहे हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि सिंधु जल समझौता भारत के लिए एक गलती की तरह से है। इस समझौते से पाकिस्तान को 6 नदियों का ज्यादातर पानी मिल गया। उन्होंने बताया कि साल 2016 में पीएम मोदी ने उरी आतंकी हमले के बाद कहा था कि ‘खून और पानी एक साथ नहीं यह सकते हैं। मोदी सरकार को यह सिंधु जल समझौता सस्पेंड करने का फैसला लेने में 8 साल लग गया। दरअसल ब्रिटिश शासन में दक्षिण पंजाब में सिंधु नदी घाटी पर एक बड़ी नहर बनाई गई थी। इसके चलते इस क्षेत्र के किसानों को बहुत फायदा हुआ और यह एक प्रमुख वृषि क्षेत्र बनकर उभरा। 1947 में भारत के बंटवारे के बाद पंजाब दो हिस्सों में विभाजित हो गया। पू्वा पंजाब भारत में आया, जबकि पामिी पंजाब पाकिस्तान में चला गया। इसके दौरान सिंधु नदी घाटी और इसकी नहरों का भी बंटवारा किया गया। इससे मिलने वाले जल के लिए पाकिस्तान पूरी तरह भारत पर निर्भर था। पानी के प्रवाह को बनाए रखने के उद्देश्य से 20 दिसंबर 1947 को पू्वा और पामिी पंजाब के चीफ इंजीनियरों के बीच एक समझौता हुआ, जिसमें तय हुआ कि देश के विभाजन से पहले निर्धारित नाित जल का हिस्सा भारत 31 मार्च 1948 तक पाकिस्तान को देता रहेगा। समझौता खत्म होने के बाद भारत ने 1 अप्रैल 1948 को दो नहरों का पानी रोक दिया, जिससे पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब में लाखों एकड़ वृषि भूमि के लिए सिंचाई जल मिलना बंदजनी होगी। उस पर आतंकवादी देश होने का तमगा और मजबूत होगा। हर देश उससे दूरी बनाकर रखना चाहेगा और उसके नागरिकों को दूसरे देशों में आतंकवादी होने के शक में चीजा लेने में दिक्कत होगी, जो दूसरे देशों में रह रहे हैं, उन्हें भी संदेह की नजरों से देखा जाएगा। पाकिस्तान में कोई निवेश नहीं करना चाहेगा। भारत में स्थित पाकिस्तान उच्चायोग के कर्मचारियों की वुल संख्या को वर्तमान 55 से घटकर 30 कर दिया जाएगा। ये 01 मई 2025 तक किया जाना है।

पहलगाम के बाद

पहलगाम

का आतंकी हमला हताशा में किया गया एक ऐसा कुकृत्य है, जिस पर हमेशा की तरह सुई पाकिस्तान की तरफ घूमती है। खुद आतंकवाद का दंश झेल रहा एक देश सरकारी और तैयार आतंकियों के जरिये भारत को बार-बार गहरे जख्म देने की नापाक नीति पर चल रहा है। पाकिस्तान स्थित प्रतिबंधित लश्कर-ए-तैयबा के एक संगठन द रेजिस्टेंस फ्रंट ने पर्यटकों पर हुए इस कायरतापूर्ण हमले की जिम्मेदारी ली है। इस दुखद घटना ने वर्ष 2008 में दुस्साहसपूर्ण दंग से मुंबई और भारत को हिलाकर रख देने वाले लश्कर-ए-तैयबा द्वारा रचे गए नरसंहार की याद दिला दी है। यह महज संयोग नहीं कि यह हमला 26/11 के आरोपी तहव्वुर राणा के भारत प्रत्यर्पण और पाक सेना प्रमुख जनरल असीम मुनिर के भारत विरोधी बयान के बीच हुआ है। मुनीर ने पिछले हफ्ते ही कश्मीर को अपने देश की ‘गले की नस’ बताकर 22 अप्रैल के हमलों की भयावहता की जमीन तैयार कर दी थी। एक ओर जब अलू बलूच विद्रोह ने मुनीर व सेना की नौद उड़ा रखी है, वहीं उन्होंने दो-राष्ट्र सिद्धांत को उछालना चुना। दावा किया कि हिंदुओं व मुसलमानों में कोई समानता नहीं है। गैर मुस्लिमों को निशाना बनाना और वह भी अमेरिकी उपराष्ट्रपति जे.डी.वेंस के भारत यात्रा के दौरान- यह स्पष्ट करता है कि आतंकवादियों व उनके आकाओं ने भाजपा के नेतृत्व वाली सरकार को चुनौती दे दी है। पाक ने पर्यटकों की मौत पर शोक व्यक्त करने का प्रपंच तो रचा, लेकिन हमले की निंदा करने से परहेज किया। उरी (2016) और पुलवामा (2019) की तरह क्या पहलगाम हत्याकांड भी ऐसी प्रतिक्रिया को जन्म देगा? मोदी सरकार, क्या पाकिस्तान को फिर से सबक सिखाने के लिये भारी दबाव में है? वैसे कूटनीतिक मोर्चे पर, भारत के लिये अंतर्राष्ट्रीय क्षेत्र में इस्लामाबाद को बेनकाब और शर्मिंदा करने का एक बड़ा अवसर है। पहलगाम जांच के नतीजों और राणा से पूछताछ से भारत के इस रुख की पुष्टि होने की उम्मीद है कि पाकिस्तान आज भी आतंकवाद का केंद्र बना हुआ है। बहरहाल, पहलगाम के बैसरन में पाक पोषित आतंकियों ने जो खूनी खेल खेला, उसने पूरे देश को झकझोरा है। सैर-सपाटे के लिये गए लोगों को मौत मिलेगी, ऐसी किसी ने कल्पना भी नहीं की होगी। लेकिन एक हकीकत होगी कि देश-विदेश के 26 पर्यटक आतंकियों की गोली के शिकार हुए। हमले ने शेष देश के साथ कश्मीर की आत्मा को भी झकझोरा है। यह त्रासदी सिर्फ जम्मू-कश्मीर की ही नहीं है, बल्कि इस हमले ने पूरे देश को गहरा जख्म दिया है। उल्लेखनीय तथ्य यह है कि इस पीड़ादायक हादसे के बाद घाटी के लोगों ने हमलों की एकजुट होकर निंदा की गई है। घाटी में 35 साल बाद पहली बार आतंकी हमले के खिलाफ बंद का आयोजन किया गया है। बुधवार को बंद के आह्वान के बाद श्रीनगर में अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान बंद रहे। लोग सड़कों में दुख और आक्रोश व्यक्त करते नजर आए। कहा कि यह घटना कश्मीर की अतिथि और शांति की भावना के साथ विश्वासघात है।





कनाडा में संसदीय चुनाव, मुख्य मुकाबला कंजर्वेटिव और लिबरल के बीच

ओटावा, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

कनाडा में हो रहे संसदीय चुनाव में मुख्य मुकाबला प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के नेतृत्व वाली लिबरल पार्टी और पियरे पोलिब्रे की कंजर्वेटिव पार्टी के बीच है। देश के मतदाता तय करेंगे सरकार का नेतृत्व मार्क करेंगे ये पियरे। चुनाव में मुख्य मुद्दा अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप का कनाडा पर टैरिफ हमला है।

कनाडा की अर्थव्यवस्था अपेक्षाकृत कमजोर स्थिति में है। इस पर ट्रंप के टैरिफ का बड़ा असर पड़ रहा है। कुछ मतदाता लिबरल पार्टी को इसके लिए दंडित करना चाहते हैं। लिबरल पार्टी पिछले एक दशक से सत्ता में है। कंजर्वेटिव पार्टी ने बदलाव, छोटी सरकार, कर कटौती और विनियमन में ढील का वादा किया है। बावजूद इसके लिबरल पार्टी को दोबारा वापसी की उम्मीद है। अधिकांश पोल पूर्वी समयानुसार रात 9:30 बजे बंद हो जाएंगे।

अन्य मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, उम्मीदवारों ने रविवार को जनता से वोट मांगने के लिए अपना अंतिम प्रयास किया, लेकिन प्रचार के अंतिम घंटों

में वैंकूवर में एक घातक कार-हमले से हड़कंप मच गया। इस हमले ने थोड़े समय के लिए देश का ध्यान अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से हटा दिया।

इस बार खास बात यह है कि पूर्व प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो चुनाव से दूर हैं.....

60 वर्षीय कार्नी को मार्च की शुरुआत में लिबरल पार्टी का नेता चुना गया। उन्होंने जस्टिन ट्रूडो की जगह ली। राजनीति में वो नए हैं लेकिन इससे पहले कनाडा और इंग्लैंड के दो बैंकों के प्रमुख रहे हैं। उनके पक्ष में बड़ी बात यह जाती है कि उन्होंने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के खिलाफ

बागी रुख अपनाया है। 45 वर्षीय पियरे पोलिब्रे लगभग दो दशक से कनाडा की राजनीति में हैं। वह अपनी ठकरावपूर्ण शैली के लिए जाने जाते हैं।

इन दो पार्टियों के अलावा ब्लॉक क्यूबेकोइस और न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी भी मैदान में हैं, लेकिन दोनों ही सरकार बनाने की दौड़ में नहीं हैं। ब्लॉक क्यूबेकोइस स्थानीय और क्यूबेक राष्ट्रवादी पार्टी है। यह केवल इस फ्रांसीसी भाषी प्रांत क्यूबेक में उम्मीदवारों को खड़ा करती है। इसके नेता थबेस-फ्रांस्वा ब्लैंचेट 2019 से पार्टी का नेतृत्व कर रहे हैं। 46 वर्षीय जगमीत सिंह न्यू डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता हैं। यह वामपंथी शुकाव वाली पार्टी है।

न्यूज़ ब्रीफ

जेल में बंद नेपाल के पूर्व उपप्रधानमंत्री लामिछाने की मुसीबत बड़ी, एक और घोटाला, मुकदमा दर्ज

काठमांडू। जेल में बंद नेपाल के पूर्व उप प्रधानमंत्री रवि लामिछाने की मुसीबत और बढ़ गई है। इस बीच उनके खिलाफ एक और को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला सामने आया है। इस पर सोमवार को मुकदमा दायर हुआ है। बीरगंज के पाइला को-ऑपरेटिव बैंक में 112 करोड़ रुपये से अधिक के घोटाला सामने आने के बाद सरकार के तरफ से पर्स जिला अदालत में रवि लामिछाने सहित 30 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है। बीरगंज के सिटी एसपी गौतम मिश्र ने कहा कि घोटाला को लेकर जिला अदालत में चार्जशीट दाखिल कर दी गई है। इसमें पूर्व उपप्रधानमंत्री रवि लामिछाने सहित कुल 30 लोगों को प्रतिवादी बनाया गया है। एसपी मिश्र ने बताया कि इस चार्जशीट में को-ऑपरेटिव बैंक में कुल 112.65 करोड़ रुपये की अनियमितता का प्रमाण दिया गया है। रवि लामिछाने पर पहले से ही चार अलग-अलग जिलों के को-ऑपरेटिव बैंक घोटाला का मुकदमा चल रहा है। उनके खिलाफ यह पांचवां केस दर्ज हुआ है। रवि लामिछाने जमानत के लिए सुप्रीम कोर्ट में अपील दायर की है।

पहली बार माना: रूस के लिए उत्तर कोरिया की सेना उतरी मैदान में



कीव। उत्तर कोरिया ने पहली बार कबूल किया कि किम जोंग-उन के आदेश पर उसके सैनिक रूस के कुर्सक ओब्लास्त में लड़ रहे हैं। यह खुलासा तब हुआ, जब वेटिकन में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेन्स्की की गुप्त मुलाकात ने दुनिया को चौंका दिया। ट्रंप ने रूस से हमले रोकने की मांग की है। वहीं रूस है कि वह ट्रंप की एक नही सुन रहा। राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की सेना लगातार यूक्रेन पर हमला कर रही है। उत्तर कोरिया की सरकारी न्यूज एजेंसी ने खुलासा किया कि किम जोंग-उन ने 2024 में रूस के साथ हुए रणनीतिक समझौते के तहत सैनिक भेजे। किम ने अपने सैनिकों को 'मातृभूमि का गौरव' बताया और रूस के साथ गठजोड़ को 'शानदार' कहा। यूक्रेन का अनुमान है कि 11,000 उत्तर कोरियाई सैनिक रूस के लिए लड़ रहे हैं। रूस ने भी 26 अप्रैल को पुष्टि की कि किम के सैनिक कुर्सक में उसका साथ दे रहे हैं। 26 अप्रैल को वेटिकन के सेंट पीटर बेसिलिका में ट्रंप और जेलेन्स्की की अनपेक्षित मुलाकात ने सबको हैरान किया। इससे पहले व्हाइट हाउस में दोनों के बीच तीखी बहस हुई थी। ट्रंप ने कहा, जेलेन्स्की अब शांत हैं। मुझे लगता है वह डील चाहते हैं। उन्होंने रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन पर निशाना साधते हुए कहा, पुतिन को गोलीबारी रोकनी होगी और डील साइन करनी होगी। जिंदगी फिर सामान्य हो। लेकिन ट्रंप का दावा कि जेलेन्स्की क्रीमिया रूस को सौंपने को तैयार है, जेलेन्स्की ने सिर से खारिज कर दिया। अगस्त 2024 में यूक्रेन ने कुर्सक पर हमला कर रूस को हिला दिया था। लेकिन मार्च 2025 में रूस ने किवाबी हमला शुरू किया और सुइड्ज़ा जैसे कई इलाके छीन लिए। अब यूक्रेन केवल कुर्सक सीमावर्ती गांवों तक सिमट गया है। जेलेन्स्की का कहना है, हमारी सेना कुर्सक में लड़ रही है। लेकिन रूस का दावा है कि यूक्रेनी सैनिक जल्द खतम हो जाएंगे।

ईरान के बंदरगाह में हुए विस्फोट में मरने वालों की संख्या 40 हुई



तेहरान। ईरान के बंदर अब्बास पोर्ट पर शनिवार को हुए भीषण विस्फोट में मरने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई है, जबकि 1200 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। यह हादसा शाहिद राजाई पोर्ट के सिना कंटेनर यार्ड में हुआ, जहां ऑयल और अन्य पेट्रोकेमिकल प्रोडक्ट्स का स्टोरेज किया जाता था। बताया जा रहा है कि शुरुआती जांच में सामने आया था कि ज्वलनशील पदार्थों के स्टोरेज में गंभीर लापरवाही के चलते ही यह विस्फोट हुआ था। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, धमाके के बाद इलाके में आग तेजी से फैली थी, जिससे आस-पास खड़े सैकड़ों कंटेनर क्षतिग्रस्त हो गए। कई किलोमीटर दूर तक धमाके की आवाज सुनी गई थी और काले बादलों में तब्दील होता धुआं देखा गया था। विशेषज्ञों की मानें तो ईरान पर लगे अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों के कारण उसे आधुनिक सुरक्षा उपकरण और रखरखाव की तकनीक हासिल नहीं हो पाई है, जिस कारण ऐसी इंडस्ट्रियल हासिलनाओं की आशंका सदा से बनी रहती है। व्यापारिक केंद्र है शाहिद राजाई पोर्ट ईरान का शाहिद राजाई पोर्ट एक प्रमुख समुद्री व्यापारिक केंद्र है, जो राजधानी तेहरान से लगभग 1000 किमी दूर स्थित है।

भारत के हुक्का-पानी बंद करने से बिलबिलाया पाकिस्तान आका की शरण में, चीन बोला-डटे रहो

इस्लामाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुआ आतंकी हमला पाकिस्तान के लिए गले की फांस बन गया है। न उससे उगलते बन रहा और न ही निगलते। इस हमले के बाद भारत के दंडात्मक कूटनीतिक उपायों की घोषणा से वह बिलबिला गया है। हालांकि मुल्क की अवाग को खुश करने के लिए उसने भी कुछ जवाबी कदम उठाए हैं। पहलगाम हमले के ठीक दूसरे दिन भारत के सिंधु जल संधि को स्थागित करने की घोषणा से वह भविष्य में होने वाले जल संकट से परसीना-परसीना है। संघीय सरकार ने रविवार को दिनभर चीन समेत कई देशों से गुहार लगाता रहा। चीन को इस समय उसका सबसे बड़ा हमदर्द माना जाता है।

रिपोर्ट के अनुसार, मुल्क के राजनीतिक नेतृत्व ने पहलगाम हमले के मद्देनजर भारत की भड़काऊ कार्रवाई और झूठे आरोपों को छिपाने के प्रयासों को उजागर करने के लिए सप्ताहांत में कई देशों के साथ बातचीत जारी रखी। चीन, ब्रिटेन और ईरान के नेताओं के साथ अलग-अलग बातचीत में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, उप प्रधानमंत्री और विदेशमंत्री इशाक डार ने नई दिल्ली के उठाए गए एकतरफा कदमों की ओर ध्यान आकर्षित किया। शहबाज और डार ने इस दौरान सिंधु जल संधि का मुद्दा प्रमुखता से उठाया।

डार ने ब्रिटेन और चीन के अपने समकक्षों से बात कर दखल देने की गुहार लगाई। चीन के विदेश मंत्री और चीन की कम्युनिस्ट पार्टी की केंद्रीय समिति के राजनीतिक ब्यूरो के सदस्य वांग यी ने डार से कहा कि बीजिंग पाकिस्तान और भारत के बीच पनप रहे हालात पर बारीकी से नजर रख रहा है। बीजिंग, पाकिस्तान की चिंता को समझता है। वह पाकिस्तान के साथ है।

ब्रिटेन के विदेश सचिव डेविड लैमी ने मुद्दों के शांतिपूर्ण समाधान के माध्यम से स्थिति को कच करने के महत्व पर जोर दिया। इससे पहले शहबाज शरीफ ने शनिवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियन से दखल देने की गुहार लगाई थी। शहबाज ने सिंधु जल संधि का मुद्दा प्रमुखता से उठाया। शहबाज शरीफ ने रविवार को जति उमरा में अपने बड़े भाई पीएमएल-एन प्रमुख नवाज शरीफ से मुलाकात कर पहलगाम हमले और उसके बाद की स्थिति के बारे में जानकारी दी।



अफगानिस्तान की सीमा पर पाक सैनिकों ने 54 विद्रोहियों को मार गिराया

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी सुरक्षा बलों ने अफगानिस्तान बॉर्डर पर उत्तरी वजीरिस्तान में घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश को नाकाम करते हुए 54 आतंकवादियों को मार गिराते का दावा किया है।

इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने इसे आतंकवाद के खिलाफ अभियान में अब तक की सबसे बड़ी मुठभेड़ बताया, जिसमें एक ही ऑपरेशन में इतनी बड़ी संख्या में आतंकवादी डेर किए गए। यह ऑपरेशन ऐसे समय में हुआ है, जब भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव चरम पर है। उसी दौरान, अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री मावलावी आमिर खान मुताफी ने काबुल में भारत के विशेष दूत आनंद प्रकाश से मुलाकात की, जिसमें भारत के साथ आर्थिक और कूटनीतिक संबंधों को मजबूत करने की बात कही गई। यह मुलाकात पाकिस्तान के लिए कूटनीतिक झटके के रूप में देखी जा रही है, क्योंकि तालिबान और पाकिस्तान के बीच टीटीपी और सीमा संघर्ष को लेकर तनाव बढ़ रहा है। पाकिस्तान ने लंबे समय से अफगानिस्तान पर टीटीपी को शरण देने का आरोप लगाया है, जिसे काबुल ने खारिज किया है। आईएसपीआर के अनुसार, 25, 26 और 27 अप्रैल की रात को सुरक्षा बलों को हसन खेल क्षेत्र में सीमा पार से घुसपैठ की कोशिश कर रहे आतंकवादियों की गतिविधियों का पता चला। सैनिकों ने त्वरित और सटीक कार्रवाई करते हुए घुसपैठ को विफल कर दिया। सेना ने कहा, हमारे सैनिकों ने आतंकवादियों के प्रयास को प्रभावी ढंग से नाकाम किया। सटीक मुठभेड़ के दौरान सभी 54 'खवारिज' को इन्हनुम रसीद कर दिया गया। 'खवारिज' शब्द का इस्तेमाल पाकिस्तान सरकार तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के लिए करती है। मुठभेड़ के दौरान मारे गए आतंकवादियों के पास से भारी मात्रा में हथियार, गोला-बारूद, और विस्फोटक बरामद किए गए।



संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हुए फिलीपीनी और अमेरिकी सैनिक



फिलीपींस में संयुक्त सैन्य अभ्यास करते हुए फिलीपीनी और अमेरिकी सैनिक।

युद्ध से पहले ही दो फाड़ हुई पाकिस्तानी सेना, 600 अफसरों ने छोड़ा मुनीर का साथ

इस्लामाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

भारत और पाकिस्तान के बीच युद्ध की आहट से पाकिस्तानी सेना जमींदोज होने लगी है। यहां की सेना दो फाड़ हो गई और 600 से ज्यादा अफसरों ने सेना प्रमुख मुनीर का साथ छोड़ दिया है। भारत-पाक सीमा की सुरक्षा की जिम्मेदारी संभाल रही 11वीं कोर के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उमर अहमद बुखारी ने सेना मुख्यालय को पत्र लिखकर इस स्थिति पर गंभीर चिंता जताई है। हालांकि इस तरह की खबरों की अधिकृत तौर पर कोई पुष्टि नहीं हुई है।

लेफ्टिनेंट जनरल बुखारी ने इस गंभीर स्थिति से सेना प्रमुख जनरल असीम मुनीर को अवगत कराया। जबाब में सेना मुख्यालय ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि इस संकट के समय इस्तीफा स्वीकार नहीं किए जाएंगे, क्योंकि यह सैन्य नियमों का उल्लंघन है। इस्तीफा देने वाले अधिकारियों और सैनिकों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। हालांकि,



मुख्यालय ने इस्तीफों की सटीक संख्या सार्वजनिक करने से इनकार कर दिया है, जिससे स्थिति की गंभीरता पर और सवाल उठ रहे हैं। यह संकट पाकिस्तानी सेना में गहरे असंतोष, कमजोर नेतृत्व और सैन्य मनोबल में कमी को उजागर करता है। पिछले सप्ताह भारत-पाक तनाव के बीच पाकिस्तानी सेना मुख्यालय ने क्रेटा और बलूचिस्तान में तैनात 12वीं कोर सहित अन्य कोर

के सैन्य अधिकारियों और सैनिकों को 11वीं कोर में तुरंत रिपोर्ट करने का आदेश जारी किया था।

11वीं कोर, जिसके कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल उमर अहमद बुखारी हैं, भारत-पाक सीमा की सुरक्षा के लिए प्राथमिक जिम्मेदार हैं। बुखारी 2024 से इस कोर का नेतृत्व कर रहे हैं। 126 अप्रैल 2025 को बुखारी ने अन्य कोर से आए सैनिकों की स्थिति की जांच की, तो चौंकाने वाला खुलासा हुआ। करीब 100 सैन्य अधिकारियों और 500 से ज्यादा निचले रैंक के सैनिकों ने अपने इस्तीफे सौंप दिए थे, जिसके चलते 11वीं कोर में सैन्य बल की भारी कमी हो गई। इस्तीफा देने वालों ने मुख्य कारणों में सैन्य कमांडरों के बार-बार बदलते आदेश, मानसिक थकान और परिवार पर बढ़ते दबाव को बताया। इस संकट का असर सीधे भारत-पाक सीमा पर दिख रहा है, जहां पैदल सेना रेजिमेंट, उत्तरी क्षेत्र की पर्वतीय बटालियन, और फ्रंट लाइन पर तैनात तोपखाना रेजिमेंट में सैनिकों की संख्या में भारी कमी आई है।

इस्लामाबाद, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

खालिस्तान समर्थक और सिख फॉर जस्टिस संगठन का संस्थापक गुरपतवंत सिंह पन्नू ने पाकिस्तान के मीडिया में भारत के खिलाफ फिर जहर उगला है। वाशिंगटन में पंजीकृत सिख फॉर जस्टिस को भारत सरकार पहले ही आतंकवादी संगठन घोषित कर चुकी है। ऐसा पहली बार नहीं है कि उसने भारत के खिलाफ विष वमन किया हो। पन्नू का विष वमन भारत के जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद उपजे हालात के बीच आया है। पाकिस्तान के एआरवाई न्यूज चैनल को दिए इंटरव्यू में गुरपतवंत सिंह पन्नू ने भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ भी जहर उगला है। उसने इंटरव्यू में अंतरराष्ट्रीय आतंकवाद और कश्मीर में चल रहे संघर्ष जैसे मुद्दों पर बात की है। उसने खुलकर कहा कि वह पाकिस्तान के साथ एकजुटता व्यक्त कर रहा है। उसने कहा कि वह पाकिस्तान के पंजाब में भारत की सेना के प्रवेश करने के किसी भी प्रयास का दृढ़ता से विरोध करेगा। पन्नू ने टिप्पणी की कि उसकी संयुक्त राज्य अमेरिका में हत्या करने की कोशिश की गई। खालिस्तान समर्थक पन्नू ने कहा कि कश्मीर के लोगों को दुनिया भर में भारतीय दूतावासों के बाहर विरोध प्रदर्शन करना चाहिए।



गुरपतवंत सिंह पन्नू ने इंटरव्यू में किलंटन की यात्रा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि इस दौरान भारत में सिखों का नरसंहार करवाया गया। उसने कहा कि पाकिस्तान को वैश्विक मंच पर भारत के खिलाफ मोर्चा खोलना चाहिए। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, पेशे से वकील पन्नू का परिवार पहले भारत के पंजाब के नाथू चक गांव में रहता था। बाद में परिवार अमृतसर के पास खानकोट में बस गया। पन्नू के पिता महिंदर सिंह पंजाब मार्केटिंग

बोर्ड के सचिव रह चुके हैं। पन्नू के एक भाई और एक बहन हैं। 1990 के दशक में पन्नू ने पंजाब यूनिवर्सिटी से कानून की पढ़ाई की। साल 1991-92 वे पन्नू अमेरिका चला गया। वहां एमबीए किया और न्यूयॉर्क यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री ली। साल 2007 में पन्नू ने सिख फॉर जस्टिस की स्थापना की। संगठन का पंजीकृत कार्यालय अमेरिका के वाशिंगटन में है। पन्नू न्यूयॉर्क के ऑफिस से काम करता है।

गर्दन रेतने का इशारा करने वाले डिप्लोमैट तैमूर के खिलाफ जांच शुरू

लंदन। जम्मू कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले के खिलाफ लंदन में भारतीय मूल के लोगों ने प्रदर्शन किया था। सबसे शर्मनाक हरकत की पाकिस्तानी डिप्लोमैट कर्नल तैमूर ने। लंदन के पाकिस्तान हाई कमीशन की बालकनी पर खड़े होकर उन्होंने भारतीय प्रदर्शनकारियों की तरफ गला रेतने का इशारा किया। हाथ में हिंग कमांडर अभिनंदन वर्धमान की तस्वीर पकड़कर 'चाय शानदार थी' जैसे घटिया तंज कसते हुए वे मुस्कराते रहे। इस पूरी घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है और अब मेट्रोपॉलिटन पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। भारतीय समुदाय के लोगों का गुस्सा जायज था। वे सिर्फ उस आतंकवादी हमले के खिलाफ आवाज उठा रहे थे जिसमें निर्दोष भारतीय मारे गए। हाथों में आई एम हिंदू जैसे पोस्टर लेकर वे शांति से प्रदर्शन कर रहे थे। लेकिन पाकिस्तान हाई कमीशन ने वहां बड़े-बड़े स्पीकर लगाए, गाने बजाए और अश्लील नारेबाजी कराई ताकि भारतीयों की आवाज को दबाया जा सके। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब भारतीयों ने विरोध जताया तो पुलिस ने उन्हीं पर सख्ती कर दी। एक गुजराती युवक को तो यू दबाव लिया जैसे वह कोई अपराधी हो। 15 पुलिस वाले उसे दौड़ाकर पकड़ने में लग गए, जबकि असली उकसावेबाज पाकिस्तान समर्थकों को खुली छूट दी गई।





लिवरपूल ने रचा इतिहास, टोटनहम को 5-1 से हराकर जीता 20वां प्रीमियर लीग खिताब

लिवरपूल, 28 अप्रैल (एजेंसियां) ।
लिवरपूल ने रविवार को एनफील्ड में टोटनहम को 5-1 से करारी शिकस्त देकर प्रीमियर लीग खिताब अपने नाम किया और इंग्लिश टॉप-फ्लाइट फुटबॉल में मैनेचेस्टर यूनाइटेड के 20 खिताबों की बराबरी कर ली।

आर्ने स्लॉट की टीम ने शुरूआती झटका खाने के बाद जबरदस्त वापसी की और पूरे मैच में दबदबा बनाए रखा। 60,000 से अधिक दर्शकों की गुंज के बीच मुकाबला शुरू हुआ। शुरूआती हमलों के बावजूद लिवरपूल को 12वें मिनट में झटका लगा, जब डोमिनिक सोलांके ने जेम्स मैडिसन के कॉर्नर से शानदार हेडर लगाकर टोटनहम को बढ़त दिला दी। लेकिन लिवरपूल ने महज चार मिनट बाद लुईस डियाज़ के गोल से बराबरी हासिल कर ली, जिसे वीएआर ने मंजूरी दी। इसके बाद एलेक्सिस मैक एलिस्टर

ने 24वें मिनट में शानदार गोल कर लिवरपूल को बढ़त दिला दी। फिर कोडी गार्कपो ने तीसरा गोल दागकर टोटनहम की मुश्किलें बढ़ा दीं। दूसरे हाफ में लिवरपूल का जलवा, सालाह का सेल्फी सेलिब्रेशन..... दूसरे हाफ में भी लिवरपूल ने अपना दबदबा कायम रखा। टॉप स्कोरर मोहम्मद सालाह ने डोमिनिक सोबोस्लाई के पास पर शानदार गोल दागा और उसके बाद एक फैन का फोन लेकर कॉप एंड के सामने सेल्फी ली,

जिससे स्टेडियम में खुशी की लहर दौड़ गई। लगातार गुंजते नारों की आर गोइंग टू विन द लीग और वी शैल नॉट बी मूव्ड ने माहौल को और खास बना दिया। 70वें मिनट में टोटनहम के डेस्टिनी उडोगी के आत्मघाती गोल ने लिवरपूल की बढ़त 5-1 कर दी और मुकाबला पूरी तरह एकतरफा हो गया। फैन्स ने मुकाबले से पहले एनफील्ड के बाहर लिवरपूल 20 टाइम चैंपियंस के झंडे और स्कार्फ़्स लहराए। कोविड के कारण 2020 में जश्न नहीं मना सके लिवरपूल फैन्स ने इस बार खिताबी जीत का भरपूर आनंद उठाया।

न्यूज ब्रीफ

एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप 2026 क्वालीफायर: भारत मेजबान न्यांमार के साथ ग्रुप डी में

नई दिल्ली। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप थाईलैंड 2026 की राह आसान होती जा रही है! क्वालीफायर के लिए ड्रा की घोषणा कर दी गई है। यंग टाइगर्स के नाम से जानी जाने वाली भारत की अंडर-20 महिला फुटबॉल टीम को ग्रुप डी में रखा गया है। ग्रुप डी में भारत के साथ शामिल टीम हैं-म्यांमार (मेजबान), इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान। क्वालीफायर 6-10 अगस्त, 2025 के बीच आयोजित किए जाने हैं। टीमों को चार-चार के सात समूहों और पांच के समूह में विभाजित किया गया है, क्वालीफायर 2-10 अगस्त तक खेले जाएंगे। टीमें अगले साल 1-18 अप्रैल तक थाईलैंड द्वारा आयोजित किए जाने वाले फ़ाइनल के लिए 11 टिकटों के लिए प्रतिस्पर्धा करेंगी। आठ ग्रुप विजेता और तीन सर्वश्रेष्ठ उपविजेता आगे बढ़ेंगे। एएफसी अंडर-20 महिला एशियाई कप आठ टीमों का टूर्नामेंट है, जिसे 2026 संस्करण से 12 टीमों तक बढ़ा दिया गया है। ड्रा परिणाम- ग्रुप ए: डीपीआर कोरिया, नेपाल, भूटान (मेजबान), मंगोलिया, सऊदी अरब ग्रुप बी: वियतनाम (मेजबान), किर्गिज गणराज्य, हांगकांग, चीन, सिंगापुर, ग्रुप सी: ऑस्ट्रेलिया, चीनी ताइपे, फिलिस्तीन, ताजिकिस्तान (मेजबान) ग्रुप डी: म्यांमार (मेजबान), भारत, इंडोनेशिया, तुर्कमेनिस्तान ग्रुप ई: चीन पीआर (मेजबान), लेबनान, कंबोडिया, सीरिया ग्रुप एफ: जापान, आईआई ईरान, मलेशिया (मेजबान), गुआम ग्रुप जी: उज्बेकिस्तान (मेजबान), जॉर्डन, उत्तरी मारियाना द्वीप, बेहरीन ग्रुप डब्ल्यू: कोरिया गणराज्य, बांग्लादेश, लाओस (मेजबान), तिमोर लेस्ते।

बांग्लादेश दौरे पर न्यूजीलैंड ए टीम की कमान संभालेंगे केली और कार्टर

वेलिंगटन। न्यूजीलैंड ए टीम के आगामी बांग्लादेश दौरे के लिए निक केली और जो कार्टर को कप्तान नियुक्त किया गया है। इस दौरे में हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ डेब्यू करने वाले रीस

मारिउ और मुहम्मद अब्बास भी टीम का हिस्सा होंगे। निक केली तीन एकदिवसीय मुकाबलों के दौरान टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि इसके बाद जो कार्टर चार दिवसीय दो मैचों के लिए नेतृत्व संभालेंगे। केली, मारिउ और अब्बास ने हाल ही में पाकिस्तान के खिलाफ अपने डेब्यू किए थे। ऑलराउंडर मुहम्मद अब्बास ने विशेष रूप से डेब्यू पर केवल 24 गेंदों में सबसे तेज अर्धशतक जड़कर सभी का ध्यान आकर्षित किया था। वहीं, केली और मारिउ प्लेकेट शील्ड में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे। कार्टर ने 2022 में भारत दौरे के दौरान न्यूजीलैंड ए के लिए शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने उस दौरे पर 60.40 की औसत से रन बनाए थे और दो शतक भी जमाए थे, जिसमें उनका करियर बेस्ट 197 रन शामिल था। विकेटकीपर मिच हे भी इस टीम में शामिल हैं, जिन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ हैमिल्टन में नाबाद 99 रनों की पारी खेली थी। उनके अलावा ऑलराउंडर जोश क्लार्कसन को भी टीम में चुना गया है। गेंदबाजी आक्रमण में इंटरनेशनल अनुभव रखने वाले जेक फोल्क्स और बेन लिस्टर जैसे खिलाड़ी भी शामिल हैं। लेग स्पिनर आदि अशोक, जो पाकिस्तान सीरीज में भी टीम का हिस्सा थे, एक बार फिर चयनित हुए हैं।

राजस्थान के लिए प्लेऑफ की उम्मीदें लगभग खत्म, शेन बॉन्ड बोले- अब भी बहुत कुछ दांव पर

जयपुर। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में राजस्थान रॉयल्स की हालत बेहद नाजुक हो गई है। नौ में से केवल दो मैच जीतकर टीम अंकातालिका में नीचे से दूसरे स्थान पर है। हालांकि अब भी गणितीय तौर पर प्लेऑफ की उम्मीद बची है, लेकिन गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने माना कि इस सीजन में टीम के लिए आगे का रास्ता मुश्किल नजर आ रहा है। बावजूद इसके उन्होंने भरोसा दिलाया कि बचे हुए पांच लीग मैचों में टीम और खिलाड़ी अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। राजस्थान रॉयल्स ने हाल के कुछ मुकाबले बेहद करीबी अंतर से गंवाए हैं। शेन बॉन्ड ने रविवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, सबसे कठिन बात यह है कि हम लगभग 35 ओवरों तक मैच पर नियंत्रण में रहे, लेकिन आखिरी पलों में विपक्षी टीमें हमसे बेहतर साबित हुईं। अगर आप अंकातालिका देखें तो हम सोचते हैं कि हम कहाँ हो सकते थे, लेकिन अब कुछ नहीं किया जा सकता। उन्होंने आगे कहा, शायद अब हम टूर्नामेंट से बाहर हैं, लेकिन अभी भी बहुत कुछ दांव पर है। टीम के लिए सीजन को मजबूती से खत्म करना और व्यक्तिगत तौर पर भविष्य के लिए खुद को साबित करना जरूरी है। इस सीजन में राजस्थान की मुश्किलें कई मोर्चों पर रही हैं। कप्तान संजु सैमसन चोट के कारण ज्यादातर समय टीम से बाहर रहे, जिसकी वजह से 22 वर्षीय रियान पराग को कप्तानी संभालनी पड़ी और 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी को ओपनिंग करनी पड़ी।

वैभव की शतकीय पारी से जीता राजस्थान, गुजरात को आठ विकेट से हराया, यशस्वी भी चमके



जयपुर, 28 अप्रैल (एजेंसियां) । राजस्थान रॉयल्स के युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल करियर की पहली फिफ्टी ठोक दी है। उन्होंने राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ सिर्फ 17 गेंदों पर फिफ्टी लगाई। उन्होंने राजस्थान की पारी के 5वें ओवर में ही अपना अर्धशतक लगा दिया, जबकि 35 गेंदों में शतक ठोक दिया। 14 साल के वैभव का यह आईपीएल में तीसरा ही मुकाबला है। उन्होंने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ डेब्यू मैच में अपनी पहली ही गेंद पर शार्दुल ठाकुर को छक्का मारा था। वैभव सूर्यवंशी ने फिफ्टी

तक पहुंचने में 6 छक्के मारे। उन्होंने अपना पहला छक्के पहले ओवर में मोहम्मद सिराज का मारा। यह गेंद 90 मीटर दूर गई। तीसरे ओवर में ईशांत शर्मा के खिलाफ उन्होंने 3 छक्के उड़ाए। इसके बाद वॉशिंगटन सुंदर के खिलाफ दो छक्के मारे। इसके अलावा उन्होंने तीन चौके भी मारे। सुंदर की गेंद पर चौका मारकर वैभव ने आईपीएल में अपना पहला अर्धशतक पूरा किया। आईपीएल में अर्धशतक बनाने वाले सबसे युवा क्रिकेटर 14 वर्ष 32 दिन - वैभव सूर्यवंशी (आरआर) गुजरात टाइटंस, 2025

17 वर्ष 175 दिन - रियान पराग (आरआर) दिल्ली कैपिटल्स, 2019 18 वर्ष 169 दिन - संजू सैमसन (आरआर) आरसीबी, 2013 आईपीएल 2025 की सबसे तेज फिफ्टी 17 गेंदों पर अर्धशतक आईपीएल के इस सीजन का सबसे तेज अर्धशतक भी है। वैभव ने लखनऊ सुपर जायंट्स के विस्फोटक बल्लेबाज निकोलस पूरन को पीछे छोड़ा। सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ पूरन ने 18 गेंदों पर अर्धशतक लगाया था। इसके साथ ही वह सबसे कम उम्र में आईपीएल में फिफ्टी लगाने

वाले बल्लेबाज भी हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड रियान पराग के नाम था। 2019 में रियान ने 17 साल और 175 दिन की उम्र में फिफ्टी लगाई थी। वैभव 14 साल और 32 दिन के हैं। आईपीएल में सबसे तेज फिफ्टी के रिकॉर्ड यशस्वी जायसवाल के नाम है। उन्होंने 13 गेंदों पर केकेआर के खिलाफ अर्धशतक लगाया था। भारतीय बल्लेबाजों में यशस्वी के अलावा केएल राहुल, युसूफ पठान, सुरेश रैना, ईशान किशन और अभिषेक शर्मा ने भी वैभव से कम गेंदों पर फिफ्टी ठोकी है।



जर्मनी में जर्मनी के एलेकजेंडर ज्वेरोव मैड्रिड ओपन टेनिस में खेलते हुए।

बुंदेसलीगा : हैरी केन निर्णायक मुकाबले से बाहर, लेकिन जल्द मना सकते हैं जीत का जश्न

बर्लिन, 28 अप्रैल (एजेंसियां) । इंग्लैंड के स्टार स्ट्राइकर हैरी केन जहां भी खेलते हैं, गोल करने के रिकॉर्ड तोड़ते नजर आते हैं। इंग्लैंड राष्ट्रीय टीम हो, टोटनहम हॉटस्पर या फिर अब बायर्न म्यूनिख — 31 वर्षीय केन ने खुद को एक अजेय गोल मशीन के रूप में स्थापित किया है। हालांकि, उनके करियर पर एक दुखद साया भी है, 16 साल और 500 से ज्यादा पेशेवर मुकाबले खेलने के बावजूद, अब तक वह कोई बड़ा खिताब जीतने में असफल रहे हैं। खिताब जीतने के लक्ष्य से जुड़े बायर्न म्यूनिख इस कभी न जीतने वाले खिलाड़ी की छवि से बाहर निकलने के लिए केन ने पिछले साल जर्मन चैंपियन बायर्न म्यूनिख का दामन थामा था। हालांकि बायर्न इस सीजन में चैंपियंस लीग और जर्मन कप से बाहर हो चुका है, लेकिन



बुंदेसलीगा खिताब और 2025 फोफा क्लब वर्ल्ड कप उनके सामने उपलब्ध विकल्प हैं। बायर्न फिलहाल लीग में तीन मुकाबले बाकी रहते हुए आठ अंकों की मजबूत बढ़त बनाए हुए है, जिससे उनका चैंपियन बनना लगभग तय माना जा रहा है। निर्लंबन से लगा झटका बायर्न की माइन्ड पर 3-0 की जीत के दौरान केन को पहले हाफ में गेंद रोकने के लिए पीला कार्ड दिखाया गया, जो इस सीजन का उनका पांचवां कार्ड था। बुंदेसलीगा के नियमों के अनुसार, अब केन एक

मुकाबले के लिए सस्पेंड हो गए हैं और वे आरबी लीगफेज के खिलाफ अहम मुकाबला नहीं खेल पाएंगे। केन ने सिन्हुआ के हवाले से कहा, यह शायद मेरी कहानी का हिस्सा होगा कि मैं लीगफेज का मुकाबला मिस करूंगा। लेकिन अगर हम खिताब जीतते हैं, तो मैं सबसे ज्यादा जश्न मनाऊंगा। टीम साथी थॉमस मुलर ने बताया, ड्रेसिंग रूम में वह काफी निराश दिखे। नियतों पर उठाए सवाल केन ने जर्मन नियमों की आलोचना करते हुए कहा, यह पागलपन है कि मुझे एक ऐसे मुकाबले में निर्लंबित किया गया, जबकि मेरा पहला पीला कार्ड सीजन के पहले मैच में आया था। नियमों को प्रीमियर लीग की तरह बदला जाना चाहिए। मुलर ने भी रेफरी की संवेदनशीलता की कमी पर सवाल उठाए, जबकि जर्मन मीडिया ने

केन को नियमों से अवगत रहने की सलाह दी। केन ने कहा, यह कर्तई पीला कार्ड नहीं था, और जोड़ा, कुछ लोग हमारे एरिना में ध्यान आकर्षित करने के लिए आते हैं। रेफरी आयुक्त मार्को फ्रिट्ज ने रेफरी के फैसले को नियमों के अनुरूप 100 प्रतिशत सही बताया, हालांकि उन्होंने सख्ती और विवेक के बीच संतुलन बनाए रखने की चुनौती भी मानी। जल्द मिल सकता है पहला बड़ा खिताब हालांकि यह झटका हैरी केन और बायर्न दोनों के लिए थोड़ा कड़वा जरूर है, लेकिन अच्छी खबर यह है कि अगर इस वीकेंड बायर्न खिताब जीतता है, तो केन 10 मई को बोरुसिया मोएंगनलांडबाख के खिलाफ मुकाबले के बाद टीम के साथ जश्न मनाते नजर आएंगे। थॉमस मुलर ने कहा, यह हैरी और हमारे लिए थोड़ा कड़वा पल है, लेकिन ट्रॉफी उठाना इस दर्द को काफी दूर तक भ्रम सकता है।

आईपीएल 2025: विराट कोहली ने हासिल की ऑरेंज कैप सूर्याकुमार यादव को पछाड़ा



नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां) । इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में रविवार को खेले गए डबल हेडर मुकाबलों के बाद ऑरेंज और पर्पल कैप की रेस में बड़ा उलटफेर देखने को मिला। रविवार को ऑरेंज कैप दो बार बदली। पहले मुंबई इंडियंस के सूर्याकुमार यादव ने गुजरात टाइटंस के बी साई सुदर्शन को पछाड़ा। सूर्या ने लखनऊ सुपर जायंट्स के खिलाफ 28 गेंदों में 54 रनों की तेजतर्रार पारी खेलकर 417 रन बनाने वाले साई सुदर्शन को पीछे छोड़ते हुए 427 रन तक पहुंच गए थे। हालांकि, दिन का दूसरा मुकाबला आते-आते सूर्या की खुशी ज्यादा देर टिक नहीं सकी। दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के लिए खेलते हुए विराट कोहली ने 47 गेंदों पर 51 रन बनाए और कुल 443 रन के साथ ऑरेंज कैप अपने नाम कर ली। अब साई सुदर्शन के पास सोमवार को राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ मुकाबले में अच्छा प्रदर्शन कर टॉप पर लौटने का मौका रहेगा।

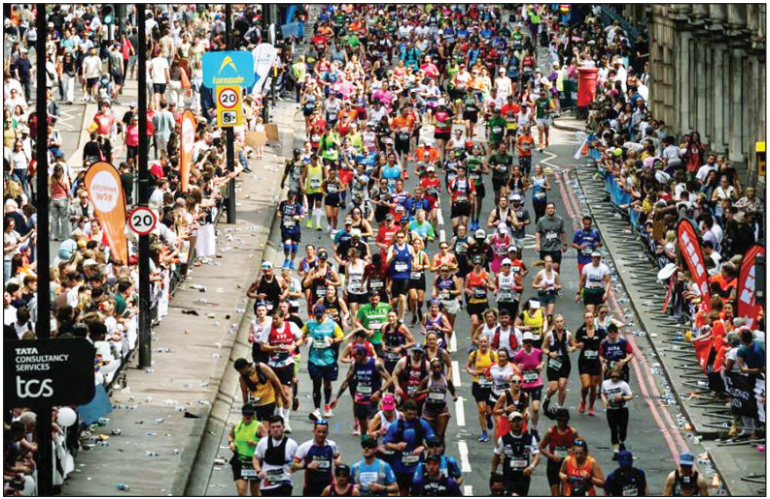
टॉप-5 बल्लेबाज
■ विराट कोहली - 443 रन
■ सूर्याकुमार यादव - 427 रन
■ बी साई सुदर्शन - 417 रन
■ निकोलस पूरन - 404 रन
■ मिशेल मार्श - 378 रन

पर्पल कैप की रेस में जोश हेजलवुड सबसे आगे

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के जोश हेजलवुड अब पर्पल कैप की रेस में सबसे आगे निकल गए हैं। रविवार को गुजरात टाइटंस के खिलाफ 36 रन देकर दो विकेट लेने के बाद उनके दस मैचों में कुल 18 विकेट हो गए हैं। टॉप-5 गेंदबाज
■ जोश हेजलवुड (आरसीबी) - 18 विकेट
■ प्रसिद्ध कृष्णा (जोटी) - 16 विकेट
■ नूर अहमद (सीएसके) - 14 विकेट
■ डेंट वोल्ट (एमआई) - 13 विकेट
■ कृणाल पांड्या (आरसीबी)
■ हर्षल पटेल (एसआरएच) - 13-13 विकेट।

लंदन मैराथन ने तोड़ा विश्व रिकॉर्ड, 56,000 से अधिक धावकों ने पूरा किया मुकाबला

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां) । रविवार को आयोजित हुए लंदन मैराथन में इस साल फिनिशर की संख्या में नया विश्व रिकॉर्ड स्थापित किया है, जो पिछले साल के न्यूयॉर्क सिटी मैराथन के 55,646 फिनिशर्स के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ दिया। हालांकि, आयोजकों ने अंतिम आंकड़ा जारी नहीं किया, लेकिन उन्होंने कहा कि रविवार 6:35 बजे (1735 तस्वज) तक नए रिकॉर्ड की पुष्टि हो गई थी, जबकि धावक अभी भी फिनिश लाइन को पार कर रहे थे।



कन्या के सबास्टियन सावे ने पुरुषों की एलाइट रेस में जीत हासिल की, जबकि इथियोपिया की टिगस्ट असेफा ने महिलाओं के लिए केवल महिला रेस में नया विश्व रिकॉर्ड तोड़ा। लंदन मैराथन इवेंट्स के सीओओ ह्यू

ब्रेशर ने रविवार को एक बयान में कहा, टीसीएस लंदन मैराथन अब दुनिया की सबसे बड़ी और महानतम मैराथन बन गई है, और यह अब आधिकारिक रूप से दुनिया की सबसे बड़ी मैराथन है। बता दें कि

42.195 किलोमीटर की दौड़, जो ग्रीनविच पार्क से शुरू होकर रिवर थेम्स के किनारे से होते हुए द मैल पर खत्म होती है, में रिकॉर्ड 56,000 धावकों के भाग लेने की उम्मीद जताई गई थी।



न्यूज़ ब्रीफ़

अटारी-वाघा बॉर्डर बंद होने से व्यापार प्रभावित, ड्राई फ्रूट्स हुए महंगे



मुंबई। भारत-पाकिस्तान सीमा पर हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने अमृतसर के अटारी-वाघा बॉर्डर को अस्थायी रूप से बंद कर दिया है। जिससे भारत और अफगानिस्तान के बीच होने वाले ड्राई फ्रूट्स से संबंधित व्यापार प्रभावित हो रहा है। ड्राई फ्रूट्स का कारोबार खासकर प्रभावित हो रहा है, जहां अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने के कारण उनकी आपूर्ति में अधिकतम गिरावट हो रही है। इस परिणामस्वरूप बाजार में ड्राई फ्रूट्स के दाम 10 से 15 फीसदी तक बढ़ गए हैं। यदि स्थिति में सुधार नहीं हुआ, तो आने वाले दिनों में यह कीमतें और भी बढ़ सकती हैं। अफगानिस्तान, अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, ईरान, और दक्षिण अफ्रीका से आने वाली ड्राई फ्रूट्स की आपूर्ति की मुख्य मंडियों में हलवल मच गई है, जिसका सीधा कारण अटारी-वाघा बॉर्डर की बंदिश है। इसके परिणामस्वरूप ज्यादातर प्रमुख ड्राई फ्रूट्स जैसे अजीर, हींग, पिस्ता, किशमिश, जीरा, और मुनक्का इस समस्या का शिकार हो रहे हैं। अफगानिस्तान से आने वाली सप्लाई की रोक लगने से आपूर्ति में गिरावट अजीर के दाम 200 रुपए प्रति किलो, पिस्ता के दाम 400-500 रुपए प्रति किलो, और किशमिश और मुनक्का के दाम 100 रुपए प्रति किलो तक बढ़ चुके हैं। आने वाले समय में इनकी कीमतें और बढ़ने की संभावना है।

नायडू ने भारत में विमानन रखरखाव मरम्मत गतिविधियों को बढ़ाने का किया आह्वान



नई दिल्ली। केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री के. राममोहन नायडू ने सोमवार को विदेशों में विमानों की रखरखाव, मरम्मत और ओवरहाल (एमआरओ) गतिविधियों को देश में ही बढ़ाने के प्रयासों का आह्वान किया।

भारत की...

के लिए मदद चाहते हैं। डिप्लोमेट्स के अनुसार दिल्ली अपने पड़ोसी मुल्क के खिलाफ सैन्य एक्शन लेने के लिए मामला तैयार कर रही है। रिपोर्ट में पीएम मोदी की उस चेतावनी का भी जिक्र किया गया है, जो उन्होंने बिहार के मधुबनी की धरती पाकिस्तान में बैठे आतंक के आकाओं को दी थी। इस दौरान पीएम मोदी ने पूरा भाषण हिंदी में दिया, लेकिन जैसे ही पूरे विश्व को पैगाम देने की बात आई तो उन्होंने अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया ताकि दुनिया को उनका मैसेज एकदम साफ और स्पष्ट जाए।पीएम मोदी ने पाकिस्तान में बैठे आतंकवाद के आकाओं को सीधा संदेश दिया और कहा कि हमले में शामिल एक-एक आतंकवादी और उनके समर्थकों की पहचान करेंगे, पीछा करेंगे और धरती के आखिरी छोर से भी उखाड़ फेंकेगें। एक-एक को ऐसी सजा देंगे, जिसकी कल्पना भी नहीं की जा सकती है। रिपोर्ट के अनुसार भारतीय विदेश मंत्रालय ने विदेशी मिशनों के राजनयिकों को ब्रीफिंग में पाकिस्तान के पिछले घेर्न के बारे में जानकारी दी गई है कि कैसे भारत को निशाना बनाने वाले आतंकी समूहों को वह मदद देता रहा है। रिपोर्ट का कहना है कि भारत ने आतंकी हमले में पाकिस्तान का हाथ होने की कुछ खुफिया जानकारीयां दी हैं, जिसमें अपराधियों के चेहरे की पहचान करने वाले डेटा शामिल हैं और भारत का कहना है कि ये पाकिस्तान से जुड़े हैं।एक्सपर्ट्स और डिप्लोमेट्स से हुई बातचीत के आधार पर दो संभावनाएं बन रही हैं। एक तो ये कि भारत को पाकिस्तान पर हमला करने से पहले आतंकी हमले के बारे में जानकारी इकट्ठा करने के लिए अधिक समय चाहिए और दूसरा ये कि ग्लोबल प्लेटफॉर्म पर इस वक्त जब कई युद्धों की वजह से अराजकता की स्थिति है, तो भारत को अपने एक्शन को सही ठहराने के लिए जस्टिफिकेशन देने की आवश्यकता कम महसूस हो रही है।रिपोर्ट के अनुसार डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने भारत को मजबूती के साथ समर्थन देने की बात कही है, लेकिन अभी ये नहीं कहा जा सकता कि युद्ध में अमेरिका भारत का साथ देगा या नहीं। हालांकि, अगर शामिल नहीं भी होता है और इशिया एशियाई देश जंग में शामिल होते हैं तो अमेरिका का प्रभाव होगा ही।

कार्ल-गुस्टाफ...

जो शॉर्ट रेंज कॉम्बैट के लिए एक विश्वसनीय सिंगल-शॉट समाधान के रूप में कार्य करता है। कार्ल गुस्टाफ के मुताबले एटी-4 बेहद हक्का किफ़ात लॉन्चर है। ऐसे में सैनिकों को कंधे से दागने में आसानी होगी। साथ ही सीमा पर दुश्मन के बंकर तक पैदल चलकर ले जाने में खासी दिक्कत नहीं आएगी।

सर्जिकल स्ट्राइक में कंधे पर लादकर पीओके में दाखिल हुए थे सैनिक
साल 2016 में सर्जिकल स्ट्राइक के लिए भारतीय सेना के

ग्लोबल मार्केट से पॉजिटिव संकेत एशिया में भी तेजी का रुख

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद हुए। हालांकि डाउ जॉन्स स्पूचर्स गिरावट के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजारों में भी पिछले सत्र के दौरान खरीदारी का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर तेजी का रुख बना हुआ है।

पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.74 प्रतिशत उछल कर 5,525.21 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डैक ने 216.90 अंक यानी 1.26 प्रतिशत की बढ़त के साथ 17,382.94 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स स्पूचर्स फिलहाल 168.98 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 39,944.52 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजार में भी पिछले सत्र के दौरान लगातार लिबालों का जोर बना रहा। एफटीएसई इंडेक्स 0.09 प्रतिशत की मजबूती के साथ 8,415.25 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएस ईंडेक्स ने 0.44 प्रतिशत की छलांग लगा कर 7,536.26 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 177.94 अंक यानी 0.88 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,242.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजारों में भी आमतौर पर मजबूती का रुख बना हुआ है। एशिया के 9 बाजारों में से 7 के सूचकांक तेजी के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 2 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.39 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 3,809.05 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.03 प्रतिशत की



रुपया 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा भंडार में वृद्धि और पूंजी प्रवाह जैसे मजबूत घरेलू बुनियादी कारकों के समर्थन से रुपया सोमवार को शुरुआती कारोबार में 12 पैसे की बढ़त के साथ 85.29 प्रति डॉलर पर पहुंच गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि विदेशी मुद्रा भंडार में लगातार वृद्धि रुपये को स्थिरता प्रदान करती है। हालांकि, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने से रुपये पर दबाव पड़ सकता है क्योंकि इस तरह की भू-राजनीतिक अनिश्चितताएं निवेशकों को सुरक्षित परिसंपत्तियों की ओर ले जाती हैं, जिससे उभरते बाजारों से निकासी होती है और रुपये जैसी स्थानीय मुद्राएं कमजोर होती हैं। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया डॉलर के मुकाबले 85.29 पर खुला, जो पिछले बंद भाव से 12 पैसे की बढ़त दर्शाता है। शुरुआती सौदों के बाद यह डॉलर के मुकाबले 85.42 के निचले स्तर पर आ गया। रुपया शुक्रवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 85.41 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.17 प्रतिशत की बढ़त के साथ 99.63 पर रहा।



मामूली गिरावट के साथ 3,294.02 अंक के स्तर पर आ गया है।

दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 234.50 अंक यानी 0.97 प्रतिशत की बढ़त के साथ 24,322.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई 143.47 अंक यानी 0.40

प्रतिशत की तेजी के साथ 35,849.21 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.77 प्रतिशत की छलांग लगा कर 6,730.56 अंक के स्तर पर, ताइवान वेटेड इंडेक्स 125.98 अंक यानी 0.63 प्रतिशत उछल कर 19,998.71 अंक के स्तर पर, सेंट

कंपोजिट इंडेक्स 0.14 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,160.67 अंक के स्तर पर, कोरसी इंडेक्स 0.11 प्रतिशत की तेजी के साथ 2,549.16 अंक के स्तर पर और हेंग सेंग इंडेक्स 0.10 प्रतिशत की मजबूती के साथ 22,003.49 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

पैरा-एसएफ कमांडो कार्ल गुस्टाफ को अपने कंधे पर लादकर ही पीओके दाखिल हुए थे। कॉल-गुस्टाफ से ही पैरा-एसएफ कमांडो ने आतंकियों के लॉन्च पैट्रस और पाकिस्तानी सेना की उन चौकियों को तबाह किया था, जहां से आतंकियों की घुसपैठ करने में मदद की जाती थी।कंपनी ने अपने बयान में ये भी बताया कि एटी-4 के जिए वरिएंट का अधिग्रहण (खरीद है) उसे विशेष रूप से सीमित स्थानों में संचालन के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिसमें इमारतों, बंकरों और अन्य शहरी वातावरण से उपयोग शामिल है। कंपनी के मुताबिक, यह एक महत्वपूर्ण क्षण है क्योंकि भारतीय सशस्त्र बल, हमारे कार्ल-गुस्टाफ प्रणाली के दीर्घकालिक उपयोगकर्ता, हमारे एटी-4 हथियार प्रणाली पर भी अपना विश्वास बढ़ाते हैं।पाकिस्तान को लेकर भी खबरें हैं कि सोमवार को ही तुर्किए ने हथियारों का जर्बोरा पाकिस्तान भेजा है। ओपन सोर्स इंटेलीजेंस के अनुसार तुर्किए का सी-130 मिलिट्री ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट पाकिस्तान पहुंचा है। विमान में तुर्किए ने पाकिस्तान के लिए गोला-बारूद भेजा है। सूत्रों के अनुसार छह सी-130क्यांगो विमान इस्लामाबाद में एक सैन्य अड्डे पर उतरे।

भारत ने खरीदे ...

इसकी खासियतों को समझें: डिज़ाइन और ताकत: राफेल मरीन की लंबाई 50.1 फीट और चौड़ाई 10.80 मीटर है। इसका वजन 15 हजार किलो तक हो सकता है। इसमें 11,202 किलो फ्यूल भर सकता है, जिससे ये लंबे समय तक उड़ान भर सकता है। ये 52 हजार फीट की ऊंचाई तक जा सकता है और इसकी रफ़ार 2205 किमी प्रति घंटा है।इसकी रेंज 3700 किमी है, यानी ये इतनी दूर तक हमला कर सकता है। इसमें 30 एमएम की ऑटो कैनन गन और 14 हाई प्वाइंट्स हैं, जहां हथियार लगाए जा सकते हैं।ये विमान सिर्फ एक मिनट में 18 हजार मीटर की ऊंचाई तक पहुंच सकता है। इसमें फोल्डिंग विंग्स हैं, जो इसे विमानवाहक पोत पर आसानी से रखने में मदद करते हैं। ये बहुत कम जगह पर भी लैंड कर सकता है।हथियारों की ताकत: राफेल मरीन में कई तरह की मिसाइलें लगाई जा सकती हैं, जैसे स्कात्य मिसाइल, जो 300 किमी तक मार कर सकती है, और मेटियोर मिसाइल, जो हवा में 120-150 किमी दूर तक दुश्मन के विमानों को मार गिरा सकती है। इसके अलावा, इसमें 70 किमी रेंज वाली एक्सोसेट एंटी-शिप मिसाइल भी है, जो समुद्र में दुश्मन के जहाजों को तबाह कर सकती है।ये विमान परमाणु हथियार धागे में सक्षम है। इसमें एडवॉंस रडार है, जो पनडुब्बियों को खोजकर उन्हें नष्ट कर सकता है। साथ ही, ये 10 घंटे तक फ्लाइट रिकॉर्ड कर सकता है।बीच हवा में रीफ्यूलिंग: राफेल मरीन को हवा में ही रीफ्यूल किया जा सकता है, जिससे इसकी रेंज और बढ़ जाती है।दर्शों एविएशन ने इन विमानों को भारत की जरूरतों के हिसाब से तैयार किया है। इसमें एंटी-शिप स्ट्राइक, न्यूक्लियर हथियार लॉन्च करने की क्षमता और मजबूत फ्रैम जैसे फीचर्स शामिल हैं। कंपनी भारत को हथियार प्रणाली,

स्पेयर पार्ट्स और जरूरी टूल्स भी देगी।भारतीय नौसेना के पास अभी आईएनएस विक्रमादित्य और आईएनएस विक्रान्त जैसे दो विमानवाहक पोत हैं, जहाँ पुराने मिग-29के फाइटर जेट्स तैनात हैं। लेकिन इन मिग-29के विमानों में कई समस्याएँ हैं, जैसे रखरखाव की ज्यादा जरूरत और कम उपलब्धता। नौसेना को 2022 में ही कहना पड़ा था कि ख़ूब विक्रान्त को मिग-29के के लिए डिज़ाइन किया गया था, लेकिन अब उसे एक बेहतर डेक-बेस्ड फ़ाइटर जेट चाहिए। राफेल मरीन इस कमी को पूरा करेगा।

पीओके में ...

सीमा पर तनाव के बीच कश्मीर में एलओसी के पास रहने वाले लोग भी अपनी सुरक्षा के इंतजाम करने लगे हैं। मसलन,कुछ वर्षों की सामान्य स्थिति और शांति के बाद, एलओसी के पास रहने वाले लोगों में एहसास है कि वे अपनी अनिश्चितता फिर से वापस आ गई है। खासतौर से पीओके में भारतीय सैन्य कार्रवाई की चेतावनियों के बाद स्थानीय लोगों की चिंताएं बढ़ी हैं।नियंत्रण रेखा, कुपवाड़ा के केरन, माछिल, तंगधार क्षेत्रों में रहने वाले लोगों में डर का माहौल है, क्योंकि पहलगाम हमले के बाद गोलीबारी की घटनाएं फिर से आम हो गई हैं। अपनी सुरक्षा के लिए लोग अब बम शेल्टर खोल रहे हैं और उनकी सफाई कर रहे हैं, ताकि हालात बिगड़ने पर लोग अपनी जान बचा सकें।पाकिस्तान पिछले कुछ हफ्तों से जम्मू-कश्मीर में सीजफायर का उल्लंघन कर रहा है, और पहलगाम हमले के बाद पाकिस्तान की ओर से ये उल्लंघन आम हो गए हैं। अप्रैल 2025 तक दर्ज की गई घटनाओं को एलओसी के साथ जम्मू-कश्मीर में कई क्षेत्रों में पाकिस्तान द्वारा उकसावे के रूप में देखा जा रहा है। भारतीय सेना ने प्रत्येक घटना का तेजी से और प्रभावी ढंग से जवाब दिया है, नागरिकों पर इसका कम से कम प्रभाव हुआ है।

पाकिस्तान पर...

इन चैनल को यूट्यूब पर सर्च करके पर एक मैसेज प्रसारित हो रहा है। इसमें लिखा है, राष्ट्रीय सुरक्षा या कानून व्यवस्था से संबंधित सरकार के आदेश के कारण यह कंटेंट वर्तमान में इस देश में उपलब्ध नहीं है। इन चैनल का कोई भी वीडियो यूट्यूब पर नहीं दिख रहा है।कुछ ऐसे चैनल भी हैं जिनका नाम इस प्रतिबन्ध वाली लिस्ट में नहीं शामिल है, लेकिन वहां भी अब भारत में एक्सेस नहीं हो रहे। इसका एक उदाहरण 'वासे और इफकी' का यूट्यूब चैनल है। यह स्पोर्ट्स को लेकर वीडियो जारी करते थे और भारतीय क्रिकेट प्रशंसक इन्हें बड़ी संख्या में देखते थे।

मोस्ट लगजीरियस एक्सएल6 कार हो गई महंगी

नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

मारुति सुजुकी इंडिया की मोस्ट

लगजीरियस एक्सएल6 कार अब

महंगी हो गई है। कंपनी ने इस

एमपीवी की कीमत में 12,500

रुपए का इजाफा किया है।नई

कीमतें कंपनी ने तेत्काल प्रभाव से

लागू भी कर दी हैं। भारतीय बाजार

में एक्सएल6 का सीधा मुकाबला

किआ कैरेंस से होता है।

बता दें कि कंपनी ने ऑल न्यू एक्सएल6 को बुकिंग शुरू कर दी है। मारुति सुजुकी एक्सएल6 रेंज के सभी वैरिएंट की कीमत में 12,500 रुपए की समान बढ़ोतरी की गई है। इसकी शुरुआती एक्स-शोरूम कीमत अब 11,83,500 रुपए से 14,99,500 रुपए हो चुकी हैं।

इस कार को कुल 10 कलर ऑप्शन में खरीद पाएंगे। इसमें 7 सिंगलटोन और 3 डुअलटोन कलर शामिल हैं। वहीं, सेकेंड रो में लेदरेट कैप्टन सीट दी है। मारुति एक्सएल6 में नेक्स्ट-जनरेशन 1.5-लीटर के15सी का डुअल जेट पेट्रोल इंजन मिलता है।

इसमें 5-स्पीड गियरबॉक्स के साथ 6-स्पीड ऑटोमैटिक गियर भी होंगे जो पैडल शिफ्टर्स के साथ आते हैं। ये 114 बीएचपी की मैक्स पावर और 137 एनएम का पीक टॉर्क जनरेट करता है। न्यू मारुति एक्सएल6 को जेटा, अल्फा, अल्फा प्लस वैरिएंट में खरीद सकते हैं।

वहीं, जेटा को सीएनजी में भी खरीदा जा सकता है। कंपनी ने कार में पहली बार वेंटिलेटेड सीट का ऑप्शन दिया है। देश में गर्मी और उमस का मौसम लंबे वक़्त तक रहता है, वहीं देश के कुछ ही हिस्सों में थोड़े समय के लिए सर्दी का मौसम आता है, ऐसे में

कार खरीदारों के बीच वेंटिलेटेड सीट के ऑप्शन की डिमांड बढ़ी है। वहीं एड्रॉयड ऑटो और एपल कारप्ले जैसे कार कनेक्ट फीचर्स भी दिए हैं।

वायरलैस चार्जिंग, स्मार्ट प्ले प्रो सिस्टम और सुजुकी कनेक्ट टेलिमैटिक्स भी इसमें मौजूद हैं। जहां तक सेप्टी की बात है इसमें 4 एयरबैग स्टैंडर्ड और 6 एयरबैग प्रीमियम वर्जन शामिल हैं। एक्सएल6 में कंपनी मारुति की कई गाड़ियों के अलग-अलग प्रीमियम फीचर्स को शामिल किया है। जैसे इसमें एक 360 डिग्री कैमरा, 7-इंच का टचस्क्रीन इंफोटेनमेंट सिस्टम होगा।

देश के कई राज्यों में पेट्रोल और डीजल महंगा



नई दिल्ली, 28 अप्रैल (एजेंसियां)।

वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की

कीमतें लंबे समय से स्थिर हैं,

लेकिन घरेलू बाजार में पेट्रोल-

डीजल की खुदरा कीमतों में

बदलाव हो रहा है। सरकारी तेल

कंपनियों ने सोमवार सुबह

जारी तेल की खुदरा कीमतों में

फिर बदलाव किया और यूपी,

बिहार सहित देश के कई राज्यों

में पेट्रोल-डीजल की खुदरा

कीमतें बदल गई हैं। हालांकि,

दिल्ली-मुंबई जैसे देश के

महानगरों में तेल की कीमतों में

बदलाव नहीं किया गया है।

सरकारी तेल कंपनियों के

अनुसार यूपी के गौतम बुद्ध

नगर जिले में पेट्रोल 26 पैसे

महंगा होकर 94.98 रुपये

लीटर बिक रहा है।

ब्रेट क्रूड का भाव
मामूली बहुत के साथ
67.70 डॉलर प्रति
बैरल

डीजल भी 30 पैसे चढ़ा और 88.13 रुपये लीटर पहुंच गया है। गाजियाबाद में पेट्रोल 26 पैसे गिरकर 94.39 रुपये और डीजल 30 पैसे टूटकर 87.45 रुपये लीटर हो गया है।

बिहार की राजधानी पटना में पेट्रोल 22 पैसे बढ़त के साथ 105.58 रुपये लीटर हो गया तो डीजल 20 पैसे महंगा होकर 92.94 रुपये लीटर बिक रहा है। कच्चे तेल की कीमतों में खास बदलाव नहीं आया है। ब्रेंट क्रूड का भाव मामूली बढ़त के साथ 67.70 डॉलर प्रति बैरल पहुंच गया है। डब्ल्यूटीआई का रेट भी उछाल के साथ 63.21 डॉलर प्रति बैरल हो गया है। वहीं दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये और डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये और डीजल 89.97 रुपये प्रति लीटर, चेन्नई में पेट्रोल 100.76 रुपये और डीजल 92.35 रुपये प्रति लीटर, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये और डीजल 91.76 रुपये प्रति लीटर है।

उपमुख्यमंत्री सुंदर चौधरी ने विधानसभा में प्रस्ताव पर बोलते हुए कहा कि आज जम्मू कश्मीर के लोगों के पास वो लज्ज नहीं है, जिन लफ्जों से हम इस हादसे की निंदा करें। जम्मू कश्मीर मेहमाननवाजी के लिए पहचाना जाता है। जो लोग भी यहां से गए वह लोग यहां के एक्सइट बनकर गए। जम्मू कश्मीर में शेर और बकरी ने एक साथ पानी पिया है। हमारा इतिहास तो भाईचारे का है। उन्होंने आगे कहा कि यहां के लिए महात्मा गांधी ने भी कहा था कि अगर कहीं से मुझे रोशनी की किरण नजर आती है तो वह जम्मू कश्मीर है। कुछ लोग जम्मू कश्मीर के भाईचारे को नजर लगाना चाहते हैं। इसको खत्म करना चाहते हैं। उपमुख्यमंत्री सुंदर चौधरी ने ये भी कहा कि जम्मू कश्मीर की धरती कई बार खून से लथपथ हुई। इस भाईचारे की मिसाल देश और दुनिया में दी जाती है। अदिल शाह ने अपनी जान लोगों की जान बचाने में गांवा दिया। हम दुआ करते हैं कि यह जम्मू कश्मीर पर आखिरी हमला हो और इसके बाद यहां पर कोई हमला ना हो।

फ्रांस, स्पेन....

भी बताया कि यह संकट यूरोपीय पावर ग्रिड में आई समस्या के कारण उत्पन्न हुआ है। इस ब्लैकआउट ने केवल परिवहन सेवाओं को ही प्रभावित नहीं किया, बल्कि अन्य प्रमुख आयोजनों को भी बाधित किया। मैड्रिड में चल रहे वार्षिक क्ले-कोर्ट टेनिस टूर्नामेंट, मैड्रिड ओपन पर भी इसका असर पड़ा है। बता दें कि यूरोप में इससे पहले भी छोटी-छोटी तकनीकी गड़बड़ियों की वजह से बड़े ब्लैकआउट हुए हैं। साल 2003 में स्विट्जरलैंड में एक पेड़ से बिजली लाइन कटने के बाद पूरा इटली अंधेरे में डूब गया था। इसलिए इस बार भी तकनीकी समस्या या साइबर हमला दोनों ही संभावनाओं को ध्यान में रखकर जांच की जा रही है।

सुप्रीम कोर्ट ...

लागू हुआ था, न्यायिक सेवा के उम्मीदवारों के लिए तेलुगु में परागत होना आवश्यक है। परीक्षा योजना में अंग्रेजी और तेलुगु के बीच अनुवाद घटक भी शामिल है। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया था कि चूंकि तेलंगाना आधिकारिक भाषा अधिनियम, 1966 के तहत उर्दू को दूसरी आधिकारिक भाषा के रूप में मान्यता दी गई है, इसलिए उर्दू में कुशल उम्मीदवारों को भी समायोजित किया जाना चाहिए था।उच्च न्यायालय और उच्चतम न्यायालय दोनों ने हालांकि निष्कर्ष निकाला कि इस संदर्भ में राज्य की भाषा नीति के निर्णय में हस्तक्षेप नहीं किया जा सकता।



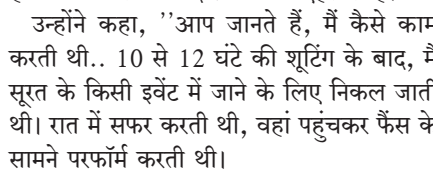
मीन राशि के लोगों को लाभ होगा और आपकी आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। पुराने विवादों और झगड़ों से मुक्ति मिलेगी। व्यापार में प्रतिष्ठा और सम्मान बढ़ेगा। उपहार मिलने या कोई विशेष सम्मान मिलने के योग हैं। कोई रुका हुआ कार्य पूरा हो सकता है, जिससे आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। ससुराल पक्ष से हल्की नोकझोंक हो सकती है, लेकिन आपकी सूझबूझ से सब कुछ सही हो जाएगा और आपकी मित्रों से सहयोग मिलेगा।



इसी व्यवहार की वजह से खो चुकी हैं कई रोल

इन बड़े सितारों के साथ किया काम 70 के दशक में मौसमी चटर्सी ने अमिताभ बच्चन, विनोद खन्ना, राजेश खन्ना जैसे कई बड़े स्टार्स के साथ काम किया। हालांकि विनोद मेहरा के साथ उनकी जोड़ी हिट रही। साल 1985 के बाद, उन्होंने सपोटिया रोल्स करना शुरू कर दिया। उन्हें हाल ही में बंगाली फिल्म अरी में देखा गया, जो इस साल की शुरुआत में रिलीज हुई थी।

परिवार संग होम टाउन भोपाल में समय
बिता रहीं दिव्यांका त्रिपाठी



हाल ही में एक इंटरव्यू में निर्देशक साजिद खान के साथ एक बहुत ही गंदा एक्सपीरियंस शेयर किया। सुभाजित घोष के साथ उनके धींकीलश चैनल पर बात करते हुए, नवीना ने कई चौंकाने वाली

निर्देशक के साथ अपनी मुलाकात को याद करते हुए नवीना ने बताया कि साजिद खान ने उन्हें तब बुलाया था जब वह हे बेबी पर काम कर रहे थे। उन्होंने याद करते हुए कहा, आप जानते हैं कि जब उन्होंने मुझे बुलाया तो मैं बहुत उत्साहित थी। उन्होंने मुझसे कहा कि तुम

शिरडी के साईं मंदिर में शिल्पा शिरोडकर ने बचपन की यादें की ताजा

उन्के इस पोस्ट पर फैंस जमकर कमेंट्स कर रहे हैं। बिग बॉस 18 के विनर करणवीर मेहरा ने भी उनकी तस्वीरों पर कमेंट किया उन्होंने कमेंट में हार्ट इमोजी का इस्तेमाल किया।एक्ट्रेस के करियर पर नजर डालें तो शिल्पा ने बॉलीवुड में 50 से ज्यादा फिल्मों में काम किया है। साल 1989 में फिल्म भ्रष्टाचार में वह नजर आईं। साल 1991 में फिल्म हम में उन्होंने अमिताभ बच्चन और रजनीकांत के साथ काम किया। इसके अलावा, किशन कन्हैया, योद्धा, बेनाम दशाह, दो मतवाले, दंडनायक, आखें, गोपी-शन, बेवफा सन, खुदा गवाह, अपराध, हम है मेमसाल, मृत्युदंड जैसी कई फिल्मों में अपनी कंटिंग का लोहा मनवाया।शिल्पा मिस इंडिया का ताब हासिल कर चुकी हैं। बता दें कि उन्होंने 1992 में मिस इंडिया पेजेंट में हिस्सा लिया था। पर तब को अपने सिर पर सजाया था।

जैकलीन फर्नांडिस के आशिक सुकेश चंद्रशेखर पर बन रही डॉक्यू-सीरीज!



और देनदारियों वित्त आयोग द्वारा निर्धारित लक्ष्यों के भीतर ही रही है। वर्ष 2024-25 में भारत के कुल जीएसटी संग्रह में योगदान के मामले में हरियाणा पांचवें स्थान पर है। इसके अलावा, प्रति व्यक्ति जीएसटी संग्रह में हरियाणा प्रमुख व्यक्तियों में पहले स्थान पर है। हरियाणा की वित्त प्रबंधन और कर प्रशासन व्यवस्था उल्लेखनीय है। आयोग को अवगत कराया गया कि सतत विकास लक्ष्यों के भारत-सूचकांक में हरियाणा ने परफॉर्मिंग श्रेणी से फ्रंट रनर श्रेणी में स्थान प्राप्त किया है और वर्ष 2023-24 में राष्ट्रीय स्तर पर 13वां स्थान हासिल किया है। भविष्य की योजनाओं और रोडमैप को साझा करते हुए आयोग को मिशन हरियाणा 2047 के बारे में अवगत कराया गया।

सीएम नीतीश ने पटना में सब-वे और डबल डेकर फ्लाईओवर का किया निरीक्षण

जल्द कार्य पूर्ण करने का दिया निर्देश

पटना (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को पटना जंक्शन के निकट निर्माणाधीन भूमिगत पैदल यात्री मार्ग (सब-वे) का निरीक्षण किया। यह सब-वे पटना जंक्शन से मल्टी लेवल पार्किंग होते हुए जीपीओ गोलम्बर तक बनाया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने ट्रैवेलेटर, एस्केलेटर सहित यात्री सुविधाओं का भी जायजा लिया और अधिकारियों से विस्तृत जानकारी प्राप्त की। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि सब-वे के बचे हुए कार्यों को शीघ्र पूर्ण कर आमजन के लिए सुविधा प्रारंभ कराई जाए। मुख्यमंत्री ने कहा कि सब-वे के शुरू होने से पटना जंक्शन क्षेत्र में भीड़भाड़ में कमी आएगी और सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था बेहतर होगी।

इस भूमिगत मार्ग का मुख्य उद्देश्य पटना जंक्शन क्षेत्र में यातायात के दबाव को कम करना और मल्टी मॉडल हब के जरिए यात्रियों को बेहतर कनेक्टिविटी



उपलब्ध कराना है। करीब 440 मीटर लंबा यह सब-वे पटना जंक्शन से बुद्ध स्मृति पार्क के पास बन रही मल्टी-लेवल पार्किंग और जी+2 मल्टी मॉडल हब को जोड़ेगा। इस हब में ऑटो रिक्शा, ई-रिक्शा, कैब, निजी वाहनों और सिटी बसों की अलग-अलग पार्किंग की व्यवस्था की गई है, जिससे शहर के यातायात को नया आयाम मिलेगा।

भूमिगत मार्ग का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने अशोक राजपथ स्थित डबल डेकर फ्लाईओवर का भी निरीक्षण किया।

उन्होंने गाड़ी से ऊपरी और निचली दोनों पुलों का अवलोकन किया और अधिकारियों को शेष कार्य शीघ्रता से पूरा करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस फ्लाईओवर के चालू होने से पटना यूनिवर्सिटी के छात्र-छात्र-

ओं के साथ-साथ स्थानीय निवासियों को आवागमन में बड़ी सुविधा मिलेगी। साथ ही अशोक राजपथ पर गाड़ियों के अनावश्यक शोर से भी राहत मिलेगी, जिससे इलाके का वातावरण अधिक शांतिपूर्ण बनेगा।

डबल डेकर फ्लाईओवर की कुल लंबाई 2.2 किलोमीटर है। ऊपर का पुल कारगिल चौक से साईंस कॉलेज तक फैला है,

जबकि नीचे का पुल बीएन कॉलेज से पटना कॉलेज तक 1.7 किलोमीटर लंबा बनाया गया है। इस पुल में पीएमसीएच आने-जाने वालों के लिए कृष्णा घाट के पास कनेक्टिविटी दी गई है। इसे पीएमसीएच के मल्टी लेवल पार्किंग से भी जोड़ने की योजना है। यह डबल डेकर फ्लाईओवर मुख्यमंत्री के ड्रीम प्रोजेक्टों में शामिल है, जिसका उद्देश्य पटना के प्रमुख शैक्षणिक और स्वास्थ्य संस्थानों तक आसान और तेज पहुंच प्रदान करना है।

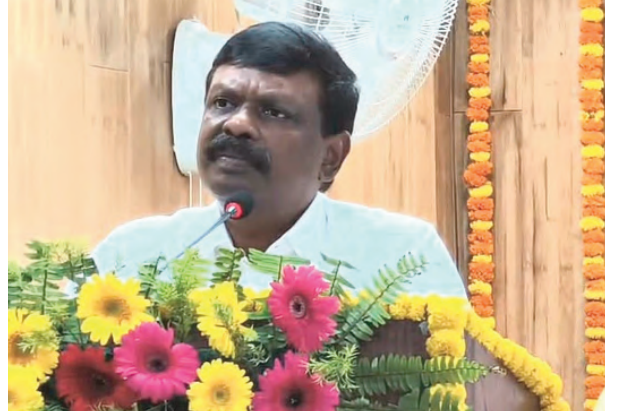
मुख्यमंत्री के इस निरीक्षण कार्यक्रम में उनके प्रधान सचिव दीपक कुमार, सचिव अनुपम कुमार, सचिव कुमार रवि, बिहार राज्य पुल निर्माण निगम लिमिटेड के अध्यक्ष शीर्षत कपिल अशोक और पटना नगर निगम के नगर आयुक्त अनिमेश पराशर समेत कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। सभी अधिकारियों को मुख्यमंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिया कि कार्यों में किसी भी प्रकार की लापरवाही न हो और निर्धारित समयसीमा में प्रोजेक्ट पूरे कर आम लोगों को इसका लाभ मिलना शुरू हो।

अपर मुख्य सचिव ने सभी डीईओ को दिए निर्देश बच्चों के बीच करवाएं पुस्तकों का वितरण

पटना (एजेंसियां)।

अपर मुख्य सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ ने सभी जिला शिक्षा पदाधिकारी को निर्देश जारी किये हैं। डॉ० एस० सिद्धार्थ ने कहा है कि बच्चों के बीच पुस्तकों का वितरण जल्द से जल्द करवाया जाय आदेश जारी। पुस्तकों का वितरण आज से शुरू कर दिया गया है। आदेशानुसार पुस्तक वितरण कार्यक्रम 2 मई तक चलेगा।

अपर मुख्य सचिव डॉ० एस० सिद्धार्थ के द्वारा जारी किये गये पत्र के अनुसार राज्य के सभी सरकारी विद्यालयों में शैक्षणिक सत्र 2025-26 की कक्षाएं 1 अप्रैल, 2025 से प्रारंभ हो गई है। इस क्रम में बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम लि० द्वारा राज्य के सभी प्रखंड संसाधन केन्द्रों पर समग्र शिक्षा 2025-26 के अंतर्गत वर्ग 1 से 8 तक की पाठ्य पुस्तकें पहुंचा दी गयी हैं। सभी प्रखंड शिक्षा पदाधिकारियों के द्वारा पुस्तकें विद्यालयों तक पहुंचा दी जाएं। इन पाठ्य पुस्तक वितरण का कार्य दिनांक 28



अप्रैल से 02 मई के बीच निम्नवत किया जाय।

निर्देश के अनुसार 28 अप्रैल से 02 मई तक राज्य के सभी विद्यालयों में प्रासंगिक पाठ्य पुस्तकों का वितरण समारोह का आयोजन कर किया जायेगा। समारोह में बच्चों के माता-पिता या अभिभावकों को और अन्य जन प्रतिनिधियों को आमंत्रित किया जाय और उनकी उपस्थिति में वितरण का कार्य किया जाय। वितरण कार्य का डॉक्यूमेंटेशन अलग पंजी संधारित कर लिया जाय। वितरण समारोह की साफ-सुंदर तस्वीरें भी जिला स्तर पर

संधारित कर रखी जायें। दिनांक 28 अप्रैल से 02 मई तक चलने वाले इस पाठ्य-पुस्तक वितरण समारोह का प्रतिवेदन जिला स्तर पर समेकित कर टेक्सटबुक कार्यालय को प्रतिदिन संध्या 5 बजे के पहले उपलब्ध कराया जाय। वितरण के दौरान पाठ्यपुस्तकों की गुणवत्ता को भी देख लिया जाय। यदि पाठ्यक्रम के पुस्तक गुणवत्ता के मानक के अनुरूप न हो तो इसकी सूचना भी जिला मुख्यालय एवं बिहार राज्य पाठ्य पुस्तक प्रकाशन निगम लि०, पटना को अविलम्ब भेजी जाय।

आरजेडी के कैंडल मार्च में नेता जी ने लगाए पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे, सीपीआई नेता गिरफ्तार

मुंगेर (एजेंसियां)।

लखीसराय जिले में आरजेडी की ओर से पहलगाम हमले के विरोध में कैंडल मार्च निकाला गया। इस दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगाए जाने का मामला सामने आया। रविवार को नारेबाजी का वीडियो वायरल हो गया। कार्यक्रम का नेतृत्व आरजेडी जिलाध्यक्ष कालीचरण दास और नेता प्रेम सागर ने किया था।

जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने कहा कि गलती से नारे लग गए। कार्यक्रम का उद्देश्य शहीदों को श्रद्धांजलि देना था। पुलिस ने सीपीआई नेता कैलाश प्रसाद को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। एसपी अजय कुमार ने कहा कि



वायरल वीडियो की जांच हो रही है। दोषियों पर कड़ी कार्रवाई होगी। बीजेपी ने सोशल मीडिया एक्स पर वीडियो शेयर कर कहा कि राजद का असली चेहरा फिर बेनकाब हो गया। जिले में स्थिति सामान्य है। हालांकि, राजनीतिक माहौल तनावपूर्ण बना हुआ है, प्रशासन अलर्ट मोड में है।

महागठबंधन ने शनिवार देर शाम सूर्यगढ़ा प्रखंड में कैंडल मार्च निकाला था। इसी दौरान पाकिस्तान जिंदाबाद के नारे लगे। जानकारी मिलने पर एसपी अजय कुमार ने कार्रवाई की। वीडियो की जांच के बाद नगर थाने में राजद जिलाध्यक्ष कालीचरण दास और सीपीआई नेता कैलाश

प्रसाद से पूछताछ हुई।

कैलाश प्रसाद ने कहा कि उन्होंने पाकिस्तान मुर्दाबाद का नारा लगाया था। उन्हें नहीं पता वीडियो कैसे वायरल हो रहा है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि जांच में पाया गया कि कैलाश प्रसाद ने एक बार पाकिस्तान जिंदाबाद का नारा लगाया। अब वीडियो वायरल हो रहा है। कैलाश प्रसाद के खिलाफ सूर्यगढ़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई हो रही है।

राजद जिलाध्यक्ष कालीचरण दास ने गलती से नारे लगने की बात मानी है। आयोजन के लिए प्रशासन से अनुमति भी नहीं ली गई थी। एसपी ने कहा कि वायरल वीडियो में एक ही नारे को बार-बार दिखाया जा रहा है।

गंभीर रूप से घायल हुए दो मजदूर

जहानाबाद (एजेंसियां)।

बिहार में बीते कुछ समय से लगातार पुल और पुलियाएं गिरने की घटनाएं सामने आ रही हैं। ताजा मामला जहानाबाद जिले के मोदनगंज प्रखंड के रतन बीधा गांव के पास का है, जहां भारतमाला प्रोजेक्ट के तहत आमस से जयनगर तक निर्माणाधीन एक्सप्रेस वे की एक पुलिया ढह गई। हादसे में दो मजदूर गंभीर रूप से घायल हो गए, जबकि कुछ अन्य मजदूरों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। राहत और बचाव कार्य युद्धस्तर पर जारी हैं। घायल मजदूरों को तत्काल



सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां से उनकी गंभीर स्थिति को देखते हुए पटना के पीएमसीएच रेफर कर दिया गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और हालातों का

जायजा लिया।

स्थानीय ग्रामीणों का आरोप है कि निर्माण कार्य में भारी लापरवाही बरती गई और गुणवत्ता का ध्यान नहीं रखा गया। ग्रामीणों ने बताया कि पुलिया की ढलाई का काम चल रहा था और बिना

पर्याप्त जांच-पड़ताल के कार्य कराया जा रहा था। इसी दौरान पुलिया धराशायी हो गई। ग्रामीणों ने मलबे में और भी मजदूरों के दबे होने की आशंका जताई है। थानाध्यक्ष अभिषेक कुमार सिंह ने जानकारी दी कि हादसे में दो मजदूर घायल हुए हैं, जिन्हें बेहतर इलाज के लिए पीएमसीएच रेफर किया गया है। फिलहाल मलबा हटाने का कार्य जारी है।

गौरतलब है कि बिहार के विभिन्न जिलों में हाल के दिनों में कई पुल और पुलिया गिरने की घटनाएं सामने आ चुकी हैं, लेकिन इसके बावजूद प्रशासन और सरकार निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने को लेकर गंभीर नजर नहीं आ रहे हैं।

अगवा कर चार साल के बच्चे की हत्या, घर से 200 मीटर दूर मिला शव

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले के औराई थाना क्षेत्र के सरहचिया गांव में अपहरण किए गए मासूम की हत्या से इलाके में सनसनी फैल गई है। घटना के बाद से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है। सूचना मिलते ही औराई थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी।

बताया जा रहा है कि चार वर्षीय अमन कुमार, भोज खाने के बाद घर लौट रहा था, तभी बाइक सवार बदमाशों ने उसका अपहरण कर लिया। परिजनों ने काफी तलाश की, लेकिन कोई सुराग



नहीं मिला। इसके बाद परिजनों ने औराई थाने में अपहरण की प्राथमिकी दर्ज कराई। पुलिस ने छानबीन शुरू की, इसी बीच खेत में अमन का शव मिलने से परिवार में मातम पसर गया। अमन के पिता का नाम शंभू कुमार है, जिन्होंने अपहरण का मुकदमा दर्ज

कराया था। घटना के संबंध में ग्रामीण एसपी विद्यासागर ने बताया कि बच्चे का शव घर से महज 200 मीटर दूर एक खेत में मिला है। शव को हत्या करने के बाद फेंक दिया गया था। परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर संदेह जताया था, जिस पर पुलिस जांच कर रही थी। प्राथमिकी दर्ज होने के बाद शव की बरामदगी हुई है। एसपी ने बताया कि अब तक परिजनों से किसी तरह की फिरोती की मांग नहीं की गई थी। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और आगे की कार्रवाई जारी है।

हाईवा गाड़ी की टक्कर से महिला की मौत, पति गंभीर घायल

पटना (एजेंसियां)।

नालंदा जिले में सोमवार की सुबह एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक महिला की मौत हो गई जबकि उनका पति गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसा बख्तियारपुर-रजौली फोरलेन पर दीपनगर थाना क्षेत्र के सकरील गांव के पास हुआ। मृतका की पहचान बिहार थाना क्षेत्र के कल्याणपुर मोहल्ला निवासी अनिल कुमार की पत्नी संजू कुमारी (42) के रूप में हुई है। अनिल कुमार एक निजी कॉलेज में लैब टेक्नीशियन के पद पर कार्यरत हैं।

परिजनों ने बताया कि संजू कुमारी और उनके पति स्कूटी से पावापुरी ओपी क्षेत्र के चौरसुआ



गांव में एक मातमपुर्सी में शामिल होने जा रहे थे। जहां संजू कुमारी की देवरानी के पिता और पूर्व उपमुखिया शिवन्दन प्रसाद का निधन हुआ था। लेकिन सकरील गांव के पास अचानक पीछे से आ रहे एक तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी स्कूटी में जोरदार टक्कर मार

दी। हादसे में संजू कुमारी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि अनिल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए।

दीपनगर थाना अध्यक्ष जितेंद्र राम ने जानकारी दी कि सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची और घायल अनिल कुमार

को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल भेजा गया। वहीं, मृतका के शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा गया है। पुलिस ने बताया कि आवेदन मिलने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी और फिलहाल अज्ञात वाहन व उसके चालक की पहचान में पुलिस जुटी हुई है।

नालंदा जिले में ही एक और सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। यह दुर्घटना रविवार देर शाम नूरसराय थाना क्षेत्र के डीपीएस स्कूल के पास हुई। मृतक की पहचान मोहम्मद अरशद (19) के रूप में हुई है, जबकि घायल

युवक मोहम्मद राजा (20) का इलाज एक निजी क्लीनिक में जारी है। परिजनों के अनुसार दोनों युवक एसी और फ्रिज रिपेयरिंग का काम करते थे। वे चंडी से काम खत्म कर लौट रहे थे, तभी एक अज्ञात वाहन ने उन्हें टक्कर मार दी। हादसे के बाद मोहम्मद अरशद को गंभीर अवस्था में पावापुरी मेडिकल कॉलेज ले जाया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। नूरसराय थाना अध्यक्ष रजनीश कुमार ने बताया कि पुलिस ने मृतक के शव का पोस्टमार्टम कारका पर परिजनों को सौंप दिया है और मामले की जांच जारी है। पुलिस अज्ञात वाहन और चालक का सुराग लगाने में जुटी हुई है।

वहीं घटना के बाद लोगों का कहना है कि गोपालगंज में सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इससे पूर्व ही मांझा थाना क्षेत्र के कोईनी, सिधवलिया थाना क्षेत्र एवं बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में ऐसी घटनाएं घट चुकी हैं। जनप्रतिनिधि एवं आम लोग पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। महिलाएं

एवं लड़कियां अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इसके बावजूद भी जिले की पुलिस ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल साबित हो रही है। इस घटना की तमाम सामाजिक संगठनों एवं पार्टी के नेताओं ने घोर निंदा की है। महिलाओं की सुरक्षा गोपालगंज पुलिस के लिए लगातार चुनौती बनी हुई है।

पिता का इलाज कराने आई युवती से सामूहिक दुष्कर्म

गोपालगंज (एजेंसियां)।

गोपालगंज जिले सासामुसा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार कर रही युवती के साथ हैवानियत हुई है। वह अपने पिता के साथ उनका इलाज करवा कर लौट रही थी। इसी दौरान तीन युवकों ने उसका सामूहिक दुष्कर्म किया। अब युवती ने पुलिस से न्याय की गुहार लगाई है।

बताया जा रहा है कि कुचायकोट थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव स्थित एक डॉक्टर के पास लकवा बीमारी का इलाज करने के लिए सोमवार को यूपी की युवती श्यामपुर पहुंची। अपने पिता का इलाज करा कर वापस अपने घर लौटने के लिए वह सासामुसा रेलवे स्टेशन पर ट्रेन का इंतजार करने लगी। इसी बीच तीन युवकों

ने युवती के साथ हैवानियत की।

इधर, घटना की जानकारी पीड़ित युवती ने पुलिस को दी। पुलिस ने मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए एक युवक को गिरफ्तार कर लिया है। बाकी के दो आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी की जा रही है। पुलिस का कहना है कि युवती के बयान पर एक आरोपी को

गिरफ्तार कर लिया गया है। दो की तलाश में छापेमारी चल रही है। युवती का मेडिकल करवाया गया है। उससे पूछताछ चल रही है।

बताया जाता है कि गोपालगंज के कुचायकोट थाना क्षेत्र के श्यामपुर गांव में एक प्रसिद्ध डॉक्टर है, जो लकवा बीमारी का इलाज करते हैं। पीड़ित युवती यूपी से

अपने पिता जो लकवा की बीमारी से ग्रसित है। उनका इलाज कराने के लिए खुद अपने दिव्यांग पिता को लेकर सोमवार को निजी क्लीनिक पहुंची थी। जहां इलाज करा कर वह पिता के साथ अपने गांव लौट रही थी। इसी बीच सासामुसा रेलवे स्टेशन पर उसके साथ तीन युवकों ने दरिद्री की।

वहीं घटना के बाद लोगों का कहना है कि गोपालगंज में सामूहिक दुष्कर्म की घटनाएं लगातार हो रही हैं। इससे पूर्व ही मांझा थाना क्षेत्र के कोईनी, सिधवलिया थाना क्षेत्र एवं बैकुंठपुर थाना क्षेत्र में ऐसी घटनाएं घट चुकी हैं। जनप्रतिनिधि एवं आम लोग पुलिस की कार्यशैली पर लगातार सवाल खड़े कर रहे हैं। महिलाएं

एवं लड़कियां अपने को असुरक्षित महसूस कर रही हैं। इसके बावजूद भी जिले की पुलिस ऐसी घटनाओं को रोकने में विफल साबित हो रही है। इस घटना की तमाम सामाजिक संगठनों एवं पार्टी के नेताओं ने घोर निंदा की है। महिलाओं की सुरक्षा गोपालगंज पुलिस के लिए लगातार चुनौती बनी हुई है।